(पौष माह) वर्ष-10, अंक 204, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज गुरुवार 24 अक्टूबर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नसरल्ला का उत्तराधिकारी हासेम सफीद्दीन 4 अक्तूबर के हमले में ही मारा गया, इस्त्राइली सेना ने की पुष्टि

इस्राइल। हाशेम सफीद्दीन को अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने साल 2017 में आतंकी घोषित किया था। हाशेम सफीद्दीन, हिजबुल्ला प्रमुख रहे हसन नसरल्ला का चचेरा भाई था। हाशेम सफीद्दीन बेहद धार्मिक स्वभाव का व्यक्ति था और उसे भी हसन नसरल्ला की तरह ही ईरान का करीबी बताया जाता था। इस्राइल ने एलान किया है कि उनके 4 अक्तूबर को किए गए हमले में हसन नसरल्ला का संभावित उत्तराधिकारी और हिजबुल्ला का नया चीफ बनने का दावेदार हाशेम सफीद्दीन भी मारा गया है। हाशेम सफीद्दीन हिजबुल्ला की कार्यकारी परिषद का प्रमुख था और हसन नसरल्ला की मौत के बाद हाशेम ही हिजबुल्ला का नया चीफ बनने वाला था। इस्राइली सेना ने बताया कि सफीद्दीन के साथ ही हिजबुल्ला की खुफिया डिवीजन का प्रमुख हुसैन अली हजीमा भी 4 अक्तूबर के हमले में ढेर हो गया था। इस्राइली सेना ने बताया कि बीती 4 अक्तूबर को बेरूत स्थित हिजबुल्ला के भूमिगत खुफिया मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला किया गया था। यह मुख्यालय बेरूत के दाहियेह इलाके में स्थित है, जो हिजबुल्ला का गढ़ माना जाता है। आईडीएफ ने कहा

कि हमले के वक्त हिजबुल्ला के खुफिया मुख्यालय में 25 से ज्यादा खुफिया विभाग के लोग भी मौजूद थे, जिनमें शीर्ष कमांडर भी शामिल थे। हमले के वक्त हाशेम सफीद्दीन भी खुफिया मुख्यालय में मौजूद था। हमले के बाद भी ऐसी खबरें आईं थी कि इस्राइली हवाई हमले में हाशेम सफीद्दीन भी मारा गया, लेकिन उन खबरों की पुष्टि नहीं हो पाई थी। अब इस्राइली सेना ने इसकी पुष्टि कर दी है। हाशेम सफीद्दीन को अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने साल 2017 में आतंकी घोषित किया था। हाशेम सफीद्दीन, हिजबुल्ला प्रमुख रहे हसन नसरल्ला का चचेरा भाई था। हाशेम सफीद्दीन बेहद धार्मिक स्वभाव का व्यक्ति था और उसे भी हसन नसरल्ला की तरह ही ईरान का करीबी बताया जाता था। हिजबुल्ला की कार्यकारी परिषद का प्रमुख होने के साथ ही वह हिजबुल्ला की जिहाद काउंसिल का भी प्रमुख था, ये जिहाद काउंसिल ही हिजबुल्ला के सैन्य संचालन के लिए जिम्मेदार है। इस्राइली जेट विमानों ने बेरूत में हिजबुल्लाह के मुख्य नौसैनिक अड्डे पर सोमवार रात भर हमला किया, इजराइल रक्षा बलों ने मंगलवार सुबह इसकी जानकारी दी। हमले में अड्डे का मुख्यालय, गोला-बारूद डिपो, भूमिगत अवसंरचना, फाइटर जेट और अन्य संपत्तियां नष्ट हो गईं। आईडीएफ ने कहा, 'हिजबुल्ला के जहाजों को इस्राइल के समुद्री क्षेत्र में नौसेना के जहाजों और नौसेना और रणनीतिक लक्ष्यों पर हमला करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

अगले सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस होंगे न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी

पाकिस्तान । सुप्रीम कोर्ट के अगले चीफ जस्टिस की नियुक्ति के लिए विशेष संसदीय समिति की दो दौर की बैठक बंद कमरे में हुई। संसदीय पैनल का पहला इन-कैमरा सत्र दिन की शुरुआत में संसद भवन के एक कमरे में आयोजित किया गया था। इस दौरान एसआईसी सदस्य बैठक में शामिल नहीं हुए, जिसके कारण समिति के सदस्यों को रात में फिर बैठक करनी पड़ी। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के तीन सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशों में से अगले चीफ जस्टिस को नामित करने के लिए मंगलवार को विशेष संसदीय समिति की बैठक हुई। इस दौरान समिति ने अगले चीफ जस्टिस के रूप में न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी को चुना। कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने कहा कि न्यायमूर्ति अफरीदी का नामांकन दो-तिहाई बहुमत के साथ प्रधानमंत्री के पास भेजा गया है। हाल ही में किए गए संविधान के 26वें संशोधन ने न्यायपालिका के संबंध में कई बदलाव लागू किए,

जिनमें से एक विशेष संसदीय समिति (एसपीसी) द्वारा तीन शीर्ष न्यायाधीशों में से चीफ जस्टिस की नियुक्ति करना शामिल था, जबकि पिछले नियम के हिसाब से सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को वरिष्ठता सिद्धांत के तहत चीफ जस्टिस नियुक्त किया जाता था।सुप्रीम कोर्ट के अगले चीफ जस्टिस की नियुक्ति के लिए विशेष संसदीय समिति की दो दौर की बैठक बंद कमरे में हुई। संसदीय पैनल का पहला इन-कैमरा सत्र दिन की शुरुआत में संसद भवन के एक कमरे में आयोजित किया गया था। इस दौरान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) सदस्य बैठक में शामिल नहीं हुए, जिसके कारण समिति के सदस्यों को रात में फिर बैठक करनी पड़ी। निवर्तमान चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा 25 अक्तूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। पुराने नियम के तहत वरिष्ठ उप न्यायाधीश, न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह अगले प्रमुख बनते। हालांकि, अनुच्छेद-175ए के खंड-3 में किए गए संशोधन के बाद राष्ट्रपति 'शीर्ष अदालत के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश' को चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त नहीं कर सकेंगे।

कजान में पीएम मोदी के स्वागत में घुली चक-चक की मिठास; बापू के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी भी देखी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस के दो दिवसिय यात्रा पर है। जहां

मंगलवार को पीएम मोदी महात्मा गांधी पर एक प्रदर्शनी देखी, जो उनकी कजान की यात्रा के अवसर पर लगाई गई थी। इस विषय में जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कज़ान की अपनी यात्रा के अवसर पर महात्मा गांधी पर एक प्रदर्शनी देखी। बता दें कि कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से मुलाकात की। जुलाई में चुनाव जीतने के बाद ईरान के राष्ट्रपति बने पेजेशकियान और पीएम मोदी के बीच यह पहली मुलाकात थी।जायसवाल ने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन के प्रदर्शनी में अन्य चीजों के अलावा लियो टॉल्स्टॉय के साथ महात्मा के जुड़ाव पर प्रकाश डाला गया। उन्होने कहा कि यह प्रदर्शनी विशेष महत्व रखती है क्योंकि प्रदर्शनी में अन्य बातों के अलावा लियो टॉल्स्टॉय के साथ महात्मा गांधी के जुड़ाव को भी दर्शाया गया। यह प्रदर्शनी इसलिए भी खास है क्योंकि लियो टॉल्स्टॉय कई वर्षों तक कज़ान में रहे और अध्ययन किया था। रूसी रईस कहे जाने वाले काउंट लियो टॉल्स्टॉय और मोहनदास करमचंद गांधी दो महान नेता थे, जिन्होंने अहिंसा सार्वभौमिक प्रेम, सबसे कमजोर लोगों के लिए चिंता करते थे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

कौशलं बलम्

NAINI ALLAHABAD

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

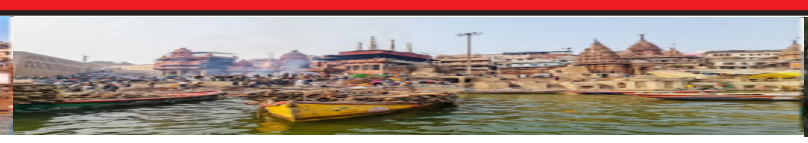

तेज़ रफतार मैजिक के धक्के से टहल रहे एक व्यक्ति की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सलखन। सोनभद्र चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत सलखन में माल वाहक वाहन मैजिक अनियंत्रित होकर रोड पर पल्टी सड़क के किनारे टहल रहे एक व्यक्ति पर पलटा जिससे पलटने से मौके पर मौत हो गई प्राप्त जानकारी के मुताबिक विजेंद्र (50) वर्ष निवासी चकिया चंदौली की मौत हो गई। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। माल वाहक मैजिक का ड्राइवर वाहन छोड़कर मौके पर फरार हो गया। स्थानी लोगों ने घटना के सुचना पर पहुंची चोपन थाने की पुलिस??। मृतक का शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। सलखन प्लाजा पेट्रोल पंप के पास की घटना।

90 दिन बीत जाने के बाद भी चोरी कर पता न चलने पर पीड़ित परिवार कमिश्नर से मिला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । सेक्टर 82 पॉकेट 7 ईडब्ल्यूएस फ्लैट में 90 दिन पहले हुई चोरी का खुलासा पुलिस प्रशासन अभी तक नहीं कर पाया है इस सिलसिले में पीड़ित श्री राम त्रिपाठी नोएडा पुलिस कमिश्नर से मिले और तुरंत कार्रवाई की अपील की पीड़ित श्री राम त्रिपाठी ने कहा कि नोएडा पुलिस पीड़ित परिवारों को अभी तक उचित न्याय दिलाने में असफल रही है और अभी तक लाखों रुपए के जेवरात चोरी हुए थे उनको भी बनामद नहीं कर सकी है इस संबंध में नोएडा के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिल चुके हैं लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ भी नहीं मिल रहा है पीड़ित ने योगी सरकार से मांग की है जल्द से जल्द चोरों को पकड़ कर हमारा माल बरामद किया जाए।

अज्ञात टीपर के टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के बारी सुभाष पेट्रोल टंकी के पास मंगलवार को दोपहर बाद अज्ञात टीपर के चपेट में आने से बाइक पर सवार दो युवक घायल हो गए जहा स्थानीय लोगों ने घायलों को एंबुलेंस 108 के द्वारा चोपन अस्पताल भेजवाया गया प्राप्त जानकारी के मुताबिक बाइक सवार घायल डब्लू सहानी उम्र लगभग 17 वर्ष पुत्र रामधनी सहानी निवासी बारी गांव व पवन मिश्रा उम्र 15 वर्ष पुत्र राजेश मिश्रा निवासी बारी गांव जो घर से डाला बाजार दवा लेने जा रहे थे बताया जा रहा है बाड़ी सुभाष पेट्रोल टंकी के पास अज्ञात टिपर के टक्कर से दोनों घायल हो गए।

फेसबुक यूजर द्वारा दी गई राहुल गांधी को धमकी दुर्भाग्यपूर्ण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी एवं उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पूर्वी जोन ऋषभ पांडेय जी के निर्देश पर जनपद सोनभद्र के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय छात्र संगठन अंशु गुप्ता द्वारा कोतवाली में सदर कोतवाल सत्येंद्र कुमार राय को ज्ञापन दिया गया । जिसमे फेसबुक यूजर मोहंती द्वारा हमारे कांग्रेस पार्टी के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी पर उनको जान से मारने की धमकी फेसबुक पर दी गई जो हमारे लिए नहीं पूरे देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, इस तरह की चीज गलत व्यवस्था को दर्शाती हैं । जहां ओर आईटी पर इतना सख्त कदम सरकार उठा रही है बावजूद इस तरह की बातें सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं तो दिखता है की वास्तविकता क्या है ।मुख्यरूप से उपस्थिति सुनील भारती शिवांशु गोश्वामी चन्द्रमणि कुमार बियार।

एफसीआई मजदूरों का अनिश्चितकालीन धरना: 6 श्रमिक भूख हड़ताल पर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा ।नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सच्चिदानंद साधु ने जानकारी दी कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से हटाए गए श्रमिकों की बहाली के लिए सेक्टर 24, नोएडा स्थित एफसीआई जनरल ऑफिस के बाहर 30 सितंबर 2024 से अनिश्चितकालीन धरना जारी है। इस धरने का नेतृत्व दलित सेना उत्तर प्रदेश कर रही है। क्या है पूरा मामला गोंडा स्थित एफसीआई गोदाम से 456 और शाहजहांपुर के रोजा डिपो से 250 श्रमिकों को कई वर्ष पहले हटा दिया गया था। इन श्रमिकों के पुनर्नियोजन के लिए श्रमिकों ने पहले भी कई बार प्रदर्शन किए, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। 6 अगस्त 2024 को किए गए धरने के बाद भी एफसीआई प्रबंधन ने 1 महीने का समय मांगा था, लेकिन उसके बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। गोंडा डिपो के 456 और रोजा शाहजहांपुर डिपो के 250 श्रमिकों को 23 अप्रैल 2010 की अधिसूचना के तहत ड्यूटी से हटा दिया गया था। हालांकि 15 अक्टूबर 2020 को मुख्यालय ने 180 श्रमिकों के परिचय पत्र जमा करवाए थे और उन्हें मौखिक रूप से अवकाश पर भेजा गया था, मगर अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। भूख हड़ताल की शुरुआत सच्चिदानंद साधु ने बताया कि श्रमिकों ने दो महीने के इंतजार के बाद 7 अक्टूबर 2024 से भूख हड़ताल शुरू की है। भूख हड़ताल पर बैठने वाले श्रमिकों में बच्चा बाबू यादव, राकेश कुमार, सकलदेव पासवान, सत्यनाम, राजकुमार और इरशाद अहमद शामिल हैं।

एवियर कॉलेज ने रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा । नोएडा एवियर एजुकेशनल हब डिग्री कॉलेज ने आज भारत के महान उद्योगपति और विश्व में भारत को एक अलग पहचान दिलवाने वाले स्वर्गीय रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित की। कॉलेज ने उनके जीवन और उनके योगदान को सम्मानित करते हुए बच्चों को उनकी अद्वितीय विशेषताओं से अवगत कराया। इस अवसर पर रतन टाटा की विनम्रता, ईमानदारी, और उनके समाज-कल्याण कार्यों को उदाहरण स्वरूप प्रस्तुत किया गया, ताकि छात्र उनके जीवन से प्रेरणा ले सकें। इस अवसर पर कॉलेज की मैनेजिंग डायरेक्टर कनिका सिंह ने कहा कि उनका नेतृत्व और परोपकारिता आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श है, और कॉलेज इस अवसर पर उनके योगदान को नमन करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को रतन टाटा की जीवन यात्रा से प्रेरित करना और उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर डायरेक्टर लर्निंग प्रोसेस डॉ आशिमंदर बहल ने भी छात्र छात्राओं को प्रेजेंटेशन द्वारा स्वर्गीय रतन टाटा के सामाजिक एवं औद्योगिक जीवन से अवगत कराया ताकि सभी उनसे प्रेरित होकर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन जरूर करें। इस अवसर पर मैनेजमेंट व कामर्स डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ ज्योति शर्मा व दीपिका शर्मा तथा अन्य शिक्षक और शिक्षिका मौजूद थे।

दुसान कंपनी के टीएमसी के मजदूरों के वेतन भुगतान मामले ने डीएम कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को ग्राम सेवा समिति के बैनर तले दुसान पावर कंपनी में टी0एम0सी0 कम्पनी द्वारा मजदूरों का भुगतान करने मामले में हेराफेरी व श्रम कानूनों के विरूद्ध कार्य एवं मजदूरों का शोषण किये जाने के सम्बन्ध मे मजदूरों ने डीएम कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया । बताते चले कि उपजिलाधिकारी ओवरा के साथ बीते 08 अक्टूबर को दूसान पावर सिस्टम इण्डिया में कार्यरत सहसविदाकार टी0एम0सी0 के वर्करों / स्टाफो के वेतन गड़बड़ी व बकाया भुगतान सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसमें श्रम विभाग व टी0एम0सी0 कम्पनी के अधिकारियों व मजदूरों के तरफ से ग्राम सेवा समिति के अध्यक्ष शिव दत्त दूबे के मध्य वार्ता हुई थी बीते 15. अक्टूबर को दूसरी वार्ता में श्रम विभाग के अधिकारी द्वारा कहा गया कि दूसान पावर सिस्टम इण्डिया लि0 के अधिकारी के समक्ष ही वार्ता किया जायेगा। परन्तु दूसान पावर सिस्टम इण्डिया लि0 के अधिकारियों ने उक्त के सम्बन्ध में किसी प्रकार की वार्ता करने से इन्कार कर दिया जिससे स्पष्ट होता है कि कार्यरत मजदूरों के वेतन में व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी की गयी तथा वेतन भुगतान भी समय से श्रम कानून के तहत नहीं किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में उनके द्वारा नोटिस जारी कर दूसान पावर सिस्टम इण्डिया लि0 के अधिकारियों को वार्ता में बुलाया जाना आवश्यक एवं न्यायसंगत है, जिससे मजदूरों के साथ हो रहे शोषण को रोका जा सके एवं उनके साथ न्याय हो सके। अन्यथा की स्थिति में गरीब मजदूर टी0एम0सी0 दूसान पावर सिस्टम इण्डिया लि0 व मुख्य महाप्रबन्धक ओबरा तापीय परियोजना के खिलाफ धरना प्रदर्शन के लिए चेताया गया था।

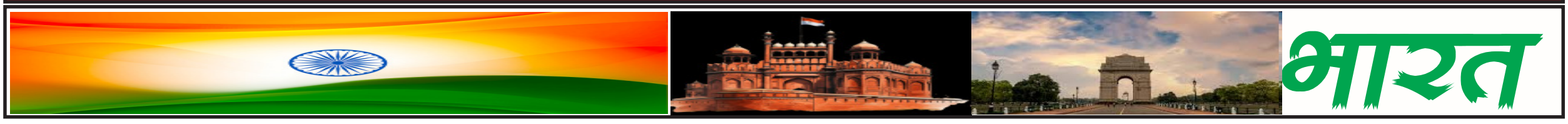

संक्षिप्त समाचार

मैकडॉनल्ड्स का बर्गर खाकर एक की मौत, दर्जनों बीमार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर के अंत में लोगों के बर्गर खाकर बीमार होने के मामले शुरू हुए। बर्गर खाकर संक्रमित होने के मामले अमेरिका के 10 राज्यों में मिले हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा 49 मामले कोलोराडो और नेब्रास्का जैसे राज्यों में मिले है।अमेरिका में मशहूर फूड चेन मैक्डॉनल्ड्स का

बर्गर खाकर लोगों के बीमार होने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं बर्गर खाने के बाद अमेरिका में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और दर्जनों लोग अस्पताल में भर्ती हैं। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन विभाग का कहना है कि ये मामले मैकडॉनल्ड्स के बर्गर क्वार्टर पाउंडर हैमबर्गर से जुड़े हैं। बीमार लोगों में ई. कोलाई का संक्रमण पाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर के अंत में लोगों के बर्गर खाकर बीमार होने के मामले शुरू हुए। बर्गर खाकर संक्रमित होने के मामले अमेरिका के 10 राज्यों में मिले हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा 49 मामले कोलोराडो और नेब्रास्का जैसे राज्यों में मिले है। बर्गर खाकर लोगों के बीमार होने का असर मैकडॉनल्ड्स की साख पर पड़ा है और कंपनी के शेयरों में छह फीसदी की गिरावट आ चुकी है। दस लोग अभी संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन विभाग ने बताया कि एक बुजुर्ग शख्स की बर्गर खाने के बाद हुए संक्रमण से जान चली गई है।

भारतीय जांच समिति के साथ बातचीत सार्थक व मूल्यवान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत सरकार पन्नू की हत्या करने की साजिश से अपने जुड़ाव या संलिप्तता से इनकार कर चुकी है। अमेरिका द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद नई दिल्ली ने मामले की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की थी, जिससे अब अमेरिका के अधिकारियों की बातचीत हुई है। खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने के मामले में लगातार विवाद बना हुआ है। पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप भारत पर लगाया गया। हालांकि, भारत इस बात से साफ इनकार कर चुका है। इसके लिए एक जांच समिति भी बनाई गई है। अब इसी मामले में अमेरिका ने बताया कि उसकी भारत की जांच समिति से पिछले हफ्ते एक महत्वपूर्ण बातचीत हुई थी। इसके साथ ही दोनों सरकारों के बीच पन्नू मामले में जांच को आगे बढ़ाने के लिए जानकारी साझा की गई है। अमेरिकी विदेश विभाग के उप मुख्य प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिका समझता है कि भारतीय जांच समिति अपनी जांच जारी रखेगी और पिछले सप्ताह दोनों देशों के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के आधार पर कोई भी कदम उठाते देखा जा सकता है।

मिलिंद देवड़ा अधीनस्थ विधान संबंधी समिति के अध्यक्ष नियुक्त, बीजेपी नेता बाजपेयी को भी मिली जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने भाजपा नेता लक्ष्मीकांत बाजपेयी को सदन के पटल पर रखे जाने वाले पत्रों से संबंधित समिति का अध्यक्ष बनाया है। इनके अलावा, आप नेता नारायण दास गुप्ता को याचिका समिति की अध्यक्षता के लिए और एम थंबीदुरई (अन्नाद्रमुक) को सरकारी आश्वासन संबंधी समिति के लिए नामित किया राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शिवसेना नेता मिलिंद देवड़ा को अधीनस्थ विधान संबंधी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। भाजपा नेता लक्ष्मीकांत बाजपेयी को सदन के पटल पर रखे जाने वाले पत्रों से संबंधित समिति का अध्यक्ष बनाया है धनखड़ ने आप नेता नारायण दास गुप्ता को याचिका समिति की अध्यक्षता के लिए और एम थंबीदुरई (अन्नाद्रमुक) को सरकारी आश्वासन संबंधी समिति के लिए नामित किया। गोला

बाबूराव, सुष्मिता देव, केसरी देव सिंह झाला, जोस के मणि, मनन कुमार मिश्रा, रंजीत रंजन, सीवी षणमुगम, दिनेश शर्मा, कार्तिकेय शर्मा, नीरज शेखर, तिरुचि शिवा, सदानंद महालू शेट तानवड़े, जीके वासन और संगीता यादव को अधीनस्थ विधान संबंधी पुनर्गठित समिति में सदस्यों के रूप में नामित किया गया। राज्यसभा की अधिसूचना के अनुसार, याचिका समिति में रमीलाबेन बेचरभाई बारा, राजेंद्र गहलोत, जेबी माथेर, राम चंदर जांगड़ा, इरन्ना कडाडी, सुभाशीष खुंटिया, रंगवरा नारजारी, संतोष कुमार पी, और नबाम रेबिया शामिल हैं। धनखड़ ने बीरेंद्र प्रसाद वैश्य, नीरज डांगी, बाबूभाई जेसंगभाई देसाई, आर गिरिराजन, मोहम्मद नदीमुल हक, मेधा विश्राम कुलकर्णी, आदित्य प्रसाद, दर्शना सिंह और लहर सिंह सिरोया को सरकारी आश्वासन समिति के सदस्यों के रूप में नामित किया। सभा पटल पर रखे गए पत्रों संबंधी समिति में राघव चड्ढा, वानवेरॉय खरलुखी, नारायण कोरगप्पा, धनंजय भीमराव महादिक, महुआ माजी, अनिल कुमार यादव मंडादी, रामभाई हरजी भाई मोकारिया, अंबुमणि रामदास और के वनलालवेना सदस्य के रूप में शामिल हैं।राज्यसभा के सभापति ने खीरू महतो, मानस रंजन मंगराज और सुभाष चंद्र बोस पिल्ली को भी आवास समिति के सदस्यों के रूप में नामित किया है। राज्यसभा सचिवालय की अधिसूचना के अनुसार, राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी 22 अक्तूबर, 2024 से आवास समिति की सदस्य नहीं हैं।

पिता-पुत्र के बदल रहे हैं दल, भाजपा नेता गणेश नाईक के बेटे ने थामा शरद पवार का दामन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका लगता हुआ दिख रहा है। जहां भाजपा नेता व पूर्व मंत्री गणेश नाईक के पुत्र संदीप नाईक मंगलवार को शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) में शामिल हो गए। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में घरानेशाही का बोलबाला है। कहीं, पिता से अलग होकर पुत्र दल बदल रहे हैं तो कहीं स्थानीय नेता चुनाव लड़ने के लिए विरोधी पार्टियों का रुख कर रहे हैं। इस आया राम-गया राम के खेल में भाजपा को सबसे ज्यादा झटका लगा है। भाजपा के दो दिग्गज नेताओं के पुत्रों ने चुनाव लड़ने के लिए यह हथकंडा अपनाया है। मंगलवार को भाजपा को पहला झटका नवी मुंबई से लगा है। वहीं, कोकण के सिंधुदुर्ग में भाजपा के बड़े नेता के पुत्र का शिवसेना में प्रवेश निश्चित हुआ है।नवी मुंबई में भाजपा के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री गणेश नाईक के पुत्र संदीप नाईक मंगलवार को शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) में शामिल हो गए। पार्टी से टिकट

हो गए। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में घरानेशाही का बोलबाला है। कहीं, पिता से अलग होकर पुत्र दल बदल रहे हैं तो कहीं स्थानीय नेता चुनाव लड़ने के लिए विरोधी पार्टियों का रुख कर रहे हैं। इस आया राम-गया राम के खेल में भाजपा को सबसे ज्यादा झटका लगा है। भाजपा के दो दिग्गज नेताओं के पुत्रों ने चुनाव लड़ने के लिए यह हथकंडा अपनाया है। मंगलवार को भाजपा को पहला झटका नवी मुंबई से लगा है। वहीं, कोकण के सिंधुदुर्ग नहीं मिलने पर संदीप नाईक ने पहले पत्र भेजकर पार्टी के जिलाध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया और शरद पवार की एनसीपी में शामिल हो गए। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के पुत्र पूर्व सांसद निलेश राणे बुधवार को शिवसेना (शिंदेगुट) में शामिल होने की तैयारी में हैं। नीलेश राणे 2009 के लोकसभा चुनाव में सिंधुदुर्ग रत्नागिरी से कांग्रेस के सांसद बने थे, लेकिन 2014 में वे भाजपा में शामिल हो गए थे।

डिप्टी सीएम शिवकुमार के खिलाफ जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची सीबीआई, सरकार के फैसले को दी चुनौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता वाली वर्तमान कर्नाटक कैबिनेट ने 23 नवंबर 2023 को कहा था कि शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के लिए सीबीआई को सहमति देने का पिछली भाजपा सरकार का 2019 का कदम कानून के अनुसार नहीं था। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के लिए दी गई सहमति वापस लेने के कर्नाटक सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता वाली वर्तमान कर्नाटक कैबिनेट ने 23 नवंबर 2023 को कहा था कि शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के लिए सीबीआई को सहमति देने का पिछली भाजपा सरकार का 2019 का कदम कानून के अनुसार नहीं था। 29 अगस्त को कर्नाटक हाईकोर्ट ने कांग्रेस सरकार के सहमति वापस लेने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई और भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल की दायर याचिका को कायम न रखने योग्य करार दिया था। हालांकि, पाटिल ने हाईकोर्ट के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। 17 सितंबर को जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने पाटिल की याचिका पर शिवकुमार और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। 29 अगस्त को हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी।

श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर पर समझौते का नवीनीकरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि प्रति तीर्थयात्री पाकिस्तान द्वारा 20 अमेरिकी डॉलर के सेवा शुल्क लगाया गया था, जिसे हटाने के संबंध में तीर्थयात्रियों ने निरंतर

अनुरोध किया। तीर्थयात्रियों के अनुरोध को देखते हुए भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान से तीर्थयात्रियों पर कोई शुल्क नहीं लगाने का आग्रह किया। भारत और पाकिस्तान ने श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर पर समझौते को अगले पांच साल के लिए नवीनीकृत किया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि प्रति तीर्थयात्री पाकिस्तान द्वारा 20 अमेरिकी डॉलर के सेवा शुल्क लगाया गया था, जिसे हटाने के संबंध में तीर्थयात्रियों ने निरंतर अनुरोध किया। तीर्थयात्रियों के अनुरोध को देखते हुए भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान से तीर्थयात्रियों पर कोई शुल्क नहीं लगाने का आग्रह किया।समझौते के बाद केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिख समुदाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि और सिख संगत के प्रति उनकी गहरी श्रद्धा के मार्गदर्शन में, भारत से ऐतिहासिक गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर की यात्रा के लिए श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर के माध्यम से यात्रियों की यात्रा की सुविधा के लिए समझौते की वैधता को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया है।' पुरी ने आगे कहा, 'बाबा नानक जी की दिव्य इच्छा से मुझे 2018 में कॉरिडोर के शिलान्यास समारोह में उपस्थित रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

भाजपा ने नवाब मलिक की उम्मीदवारी का किया विरोध, शेलार ने कहा- दाऊद पार्टी से है संबंध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुंबई। आशीष शेलार ने कहा, हम मलिक का समर्थन नहीं करेंगे और अपना अलग रुख रखेंगे। वह उन मीडिया खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे

थे, जिनमें कहा गया कि मुंबई दक्षिण-मध्य संसदीय क्षेत्र के अणुशक्ति नगर से मौजूदा विधायक नवाब मलिक मानखुर्द-शिवाजी नगर से चुनाव लड़ सकते हैं। भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष आशीष शेलार ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक की उम्मीदवारी के खिलाफ है। शेलार ने कहा, हम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े किसी व्यक्ति को टिकट देना स्वीकार नहीं करेंगे।एक समाचार चैनल से उन्होंने कहा, हम मलिक का समर्थन नहीं करेंगे और अपना अलग रुख रखेंगे। वह उन मीडिया खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें कहा गया कि मुंबई दक्षिण-मध्य संसदीय क्षेत्र के अणुशक्ति नगर से मौजूदा विधायक नवाब मलिक मानखुर्द-शिवाजी नगर से चुनाव लड़ सकते हैं। साथ ही वह अणुशक्ति नगर निर्वाचन क्षेत्र अपनी बेटी सना के लिए छोड़ सकते हैं। मलिक महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार में मंत्री थे। मलिक को 2022 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दाऊद, छोटा शकील और टाइगर मेमन के खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तार किया था महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान है। चुनाव प्रचार के दौरान नेता एक दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। इस बीच, प्रत्याशियों की सूची भी जारी हो रही है।

महाराष्ट्र चुनाव में सीएम योगी की छवि भुनाने की कोशिश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुंबई। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की मुंबई में बंटोगे तो कटोगे वाले पोस्टर चर्चा का विषय बना हुआ है। जिसको लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल समाज को बांटने की राजनीति कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने समाज को एकजुट रहने का संदेश देने के लिए यह पोस्टर लगाए है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को 288 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। जिसके लिए राज्य की राजनीति में जबरदस्त गर्माहट है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की मुंबई में एक अजीबोगरीब पोस्टर चर्चा का विषय बना हुआ है। मुंबई में उनकी तस्वीरों के साथ पोस्टर लगें है, जिसमे

लिखा है कि बंटोगे तो कटोगे। सीएम योगी का ये पोस्टर महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा के केंद्र में आ गए है। बता दें कि मुंबई के अंधेरी इलाके में योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों वाला यह पोस्टर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए विश्वबंधु राय ने लगाया है। भाजपा नेता विश्वबंधु राय ने पोस्टर को लेकर तर्क दिया कि कांग्रेस और विपक्षी दल समाज को बांटने की राजनीति कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने समाज को एकजुट रहने का संदेश देने के लिए यह पोस्टर लगाए है। उन्होने कहा कि उत्तर भारत के लोग योगी और उनके नारे बटोगे तो काटोगे के नारे पर विश्वास करते हैं। इसलिए हमने महाराष्ट्र में भी विपक्ष की चालों का जवाब देना शुरू कर दिया है, जिससे हरियाणा की तरह समाज एकजुट हो सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की महाराष्ट्र में चुनावी जनसभाओं की भारी मांग है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि अभी पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची तैयार की जा रही है, लेकिन, राज्य में चुनाव प्रचार के लिए उनकी अधिक मांग है। प्रदेश की जनता की अपेक्षा के तहत महाराष्ट्र में योगी आदित्यनाथ की अधिक से अधिक चुनावी जनसभा आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा।

नौ दिन में विमानन कंपनियों को 600 करोड़ का घाटा दो दिन में 80 उड़ानों को फिर मिली फर्जी धमकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विमानन कंपनियों के पूर्व अधिकारियों के मुताबिक, उड़ानों में व्यवधानों से नौ दिन में विमानन कंपनियों को लगभग 600 करोड़ रुपये का घाटा होने का अनुमान है। औसतन एक घरेलू उड़ान में व्यवधान से लगभग 1.5 करोड़ रुपये का खर्च आता है, जबकि एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में यह खर्च लगभग 5-5.5 करोड़ रुपये होता है। देश में उड़ानों में बम की फर्जी धमकियों के चलते विमानन कंपनियों को करोड़ों का नुकसान हो रहा है। विमानन कंपनियों के पूर्व अधिकारियों के मुताबिक, उड़ानों में व्यवधानों से नौ दिन में विमानन कंपनियों को लगभग 600 करोड़ रुपये का घाटा होने का अनुमान है। औसतन एक घरेलू उड़ान में व्यवधान से लगभग 1.5 करोड़ रुपये का खर्च आता है, जबकि एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में यह खर्च लगभग 5-5.5 करोड़ रुपये होता है एक अनुमानित गणना से पता चलता है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान के कारण होने वाली औसत लागत लगभग 3.5

करोड़ रुपये है। इस तरह 170 से अधिक उड़ानों में व्यवधान से करीब 600 करोड़ रुपये खर्च या घाटा होने का अनुमान है। सूत्रों ने बताया कि विमान या हवाईअड्डे पर बम की धमकी मिलने की स्थिति में बम धमकी आकलन समिति (बीटीएसी) के प्रोटोकॉल में बदलाव किया गया, ताकि विभिन्न भारतीय एयरलाइनों को इंटरनेट पर लगातार मिल रही धमकियों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। सोमवार रात को दिल्ली, मुंबई, जयपुर, पुणे, मंगलूरू, बंगलूरू और कोझिकोड के सात हवाईअड्डों पर एकत्रित हुई बीटीएसी ने तीन एयरलाइनों एअर इंडिया, विस्तारा और इंडिगो की 30 उड़ानों को भेजी गईं धमकियों को झूठा या अस्पष्ट बताया। सीआईएसएफ और संबंधित एयरलाइन सुरक्षा एजेंसियों को यात्रियों, उनके सामान और विमान की तलाशी के लिए केंद्रित सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है, ताकि उड़ान की तैयारी करते समय कोई भी चूक न रह जाए। देश की विमानन कंपनियों को मंगलवार को बीते 24 घंटों में 80 घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बम की फर्जी धमकी मिली है। सोमवार रात तक 30 और मंगलवार को 50 उड़ानों को धमकियां मिलीं। इसके चलते जेद्दा जा रही इंडिगो की तीन उड़ानों को सऊदी अरब व कतर में उतारना पड़ा। बीते दस दिनों में 170 से अधिक उड़ानों में बम की धमकी मिल चुकी है सूत्रों के मुताबिक, एअर इंडिया व इंडिगो की 23-23, विस्तारा की 21 और अकासा की 12 से अधिक उड़ानों को धमकी मिली।

एमवीए की बैठक में सीट बंटवारे पर सहमति बनी सबसे ज्यादा सीटों पर लड़ेगी कांग्रेस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एमवीए के बीच मंगलवार को लंबे समय तक चली बैठक में सीट बंटवारा करीब-करीब तय हो गया है। बैठक के बाद संजय राउत ने कहा कि तीनों दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर यह आखिरी बैठक थी और अब इस मुद्दे पर अब और कोई बैठक नहीं होगी।महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब एक महीने से भी कम का समय शेष रह गया है। जिसको लेकर राजनीतिक पार्टियों के बीच गर्माहट तेज है। वहीं दूसरी ओर महा विकास अघाड़ी के बीच 4 घंटे से ज्यादा समय तक चली मैराथन मंथन के बाद सीट बंटवारा करीब-करीब तय हो गया है। मंगलवार की रात शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि बुधवार को कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) के शीर्ष नेता मीडिया के सामने सीट बंटवारे की जानकारी देंगे। यूबीटी शिवसेना नेता संजय राउत ने बैठक में सीट बंटवारे को लेकर हुई बातचीत के बारे में कहा कि तीनों दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर यह आखिरी बैठक थी और इसके बाद इस मुद्दे पर अब और कोई बैठक नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और शिवसेना के बीच सीटों के बंटवारे पर पेंच फंसा था जिसके कारण तीनों दल अपने उम्मीदवारों की सूची नहीं घोषित कर पा रहे थे, लेकिन आज की बैठक में सभी सीटों पर विचार हो गया है।महाराष्ट्र चुनाव के लिए हुई बैठक के बाद सूत्रों ने बताया कि राज्य में कांग्रेस सबसे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बंटवारे में सबसे कम सीटें शरद पवार की पार्टी को मिलेगी। शिवसेना (यूबीटी) को मुंबई में सबसे अधिक सीटें लड़ने को मिलेगी। इसके साथ ही सूत्रों ने आगे बताया कि कांग्रेस 103 से 108 सीटों जबकि शिवसेना (यूबीटी) 90 से 95 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। वहीं राकांपा (शरद पवार) को 80-85 सीटें देने पर सहमति बनी है। सपा और आम आदमी पार्टी जैसे अन्य सहयोगियों को 10 से कम सीटों

में निपटाया जाएगा। महाराष्ट्र विधानसभा में 288 सीटें हैं। चुनाव में अब एक महीने से भी कम का समय शेष रह गया है और इसके बावजूद महाविकास अघाड़ी में सीटों का बंटवारा नहीं हो पाने को लेकर सत्तारूढ़ महायुति के नेता लगातार इसपर तंज कस रहे थे। हालांकि भाजपा-शिवसेना (शिंदे)-राकांपा (अजीत) के बीच सीटों का बंटवारा पहले ही हो गया है और ये दल इसके अनुरूप अपने उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर रहे हैं। इस गठबंधन में सबसे अधिक सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ रही है। बता दें कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को मतगणना होनी है।

पॉक्सो मामले में बढ़ी एकता कपूर और उनकी मां की मुश्किलें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पॉक्सो मामले में एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। जहां मुंबई पुलिस ने वेब सीरीज के दौरान नाबालिग लड़कियों के कथित अश्लील चित्रण को लेकर गुरुवार को उन्हें पेश होने के लिए कहा है। फिल्म निर्माता एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर की पॉक्सो मामले में मुश्किलें बढ़ती ही जा रहा है। जहां एक वेब सीरीज के दौरान नाबालिग लड़कियों के कथित अश्लील चित्रण को लेकर उनके खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले के संबंध में गुरुवार को मुंबई पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।

बता दें कि अल्ट बालाजी की वेब सीरीज गंदी बात के एक एपिसोड में नाबालिग लड़कियों से जुड़े अनुचित दृश्यों के कथित प्रसारण के संबंध में एकता कपूर, शोभा कपूर और बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामला वेब सीरीज के सीजन छह से जुड़ा है। अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पिछले हफ्ते अदालत के आदेश पर मां-बेटी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और उन्हें जांच का सामना करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। जिसके बाद उन्हें गुरुवार को मुंबई पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि मुंबई के बोरीवली निवासी शिकायतकर्ता के अनुसार फरवरी से अप्रैल 2021 के बीच एक एपिसोड में नाबालिग लड़कियों के अश्लील दृश्य प्रसारित किए गए थे। बता दें कि विवादास्पद एपिसोड का फिलहाल अल्ट बालाजी ऐप पर प्रसारण नहीं हो रहा है।वेब सीरीज में अश्लील चित्रण को लेकर पॉक्सो मामले में अल्ट डिजिटल मीडिया एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने कहा कि कंपनी द्वारा नाबालिगों को शामिल करने का कोई भी संदर्भ सही नहीं है। इसके साथ ही टेलीफिल्म लिमिटेड की ओर से जारी बयान के अनुसार, शोभा और एकता दैनिक संचालन में शामिल नहीं हैं। अलग-अलग टीम विषय-वस्तु रणनीति में शामिल हैं। वहीं इस आरोप के बाद एकता की अल्ट बालाजी टेलीफिल्म लिमिटेड की ओर से जारी एक बयान में अल्ट डिजिटल मीडिया एंटरटेनमेंट लिमिटेड ('कंपनी') ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वे कानूनों का पालन करते हैं।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

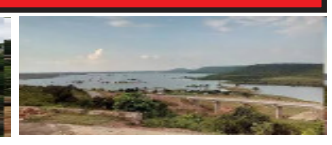

उत्तर प्रदेश खेत मजदूर यूनियन के कार्यकर्ताओं ने की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को उत्तर प्रदेश खेत मजदूर यूनियन जिला कमेटी सोनभद्र की बैठक यूनियन के राज्य कार्यकारिणी सदस्य देव कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में पार्टी के पटवध कार्यालय पर संपन्न हुई। जहां बैठक में यूनियन की मजबूती और सदस्यता अभियान पर चर्चा करते हुए यूनियन की प्रांतीय कमेटी के आवाहन पर 25 अक्टूबर को राज्यव्यापी आंदोलन के कार्यक्रम को सफल बनाएं जाने पर भी रणनीति तय किया गया और

निर्णय लिया गया कि खेत खनन मजदूरों के ज्वलंत सवालों और जाति जनगणना कराने, सरकारी कर्मचारियों के आर.एस.एस. की शाखाओं में भाग लेने के सरकारी आदेश को वापस लेने, मनरेगा को इमानदारी से लागू करने, विद्युत संसोधन 2022 को वापस लेने, स्मार्ट मीटर को वापस लेने, दलितों आदिवासियों व महिलाओं के उपर हो रहे हमले व अत्याचारों पर रोक लगाने, वनाधिकार कानून का मुस्तैदी से पालन कराने, खनन में खुले आम चल रही प्रतिबंधित मशीनों पर रोक लगाने, खनन में मजदूरों को रोजगार दिलाएं जाने के लिए, खेत खनन मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा की गारंटी तथा उनको रोजगार और पेंशन लागू कराने आदि मांगों को लेकर सोनभद्र में भी यूनियन के कार्यकर्ताओं द्वारा 25 अक्टूबर 2024 को जिला मुख्यालय पर भारी तादाद में पहुंच कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा और राज्यव्यापी आंदोलन को सफल बनाया जाएगा। यूनियन की बैठक में प्रमुख रूप से यूनियन के जिला सचिव आर के शर्मा, अमर नाथ सूर्य, धन्नू राम गोंड, तारकेश्वर गुप्ता, सूरज वंसल, राम सुरत बैगा, पप्पू भारती, फूलमती कोल, बाबूलाल चेरो, बुद्धि राम खरवार व विरेन्द्र सिंह गोंड आदि उपस्थित रहे।

दोषी महेश गोड़ को 20 वर्ष की कठोर कैद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। साढ़े छह वर्ष पूर्व 11 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी महेश गोड़ को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं एक लाख 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 80 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक ओबरा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने ओबरा थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 4/5 जून 2018 की रात करीब 9 बजे जब उसकी 11 वर्षीय नाबालिग बेटी घर में सो रही थी तभी महेश गोड़ पुत्र अजमेर गोड़ निवासी मेडरदह, थाना अनपरा, जिला सोनभद्र हाल पता बिल्ली मारकुंडी, थाना ओबरा, जिला सोनभद्र घर मे घुस गया और नाबालिग बेटी के साथ जबरन बलात्कार किया। चिल्लाने की आवाज सुनकर जब पति-पत्नी समेत आसपास के लोग पहुंचे तो वह भाग गया। इस तहरीर पर पुलिस ने 5 जून 2018 को बलात्कार और पाक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। दौरान विवेचना विवेचक ने बयान लेने के बाद पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी महेश गोड़ को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं एक लाख 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 80 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत आयोजित हुआ पशु आरोग्य मेला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना अंतर्गत एक दिवसीय पशु आरोग्य मेला का आयोजन विकासखंड करमा के अंतर्गत ग्राम नागनार हरैया में आयोजित किया गया। उक्त शिविर का उद्घाटन प्रधान प्रतिनिधि चंद्रकेशर मौर्य गौ पूजन करके शुभारंभ किया गया। शिविर का संचालन पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ ए एन सिंह द्वारा किया गया। शिविर में आए हुए कुल लगभग 1800 पशुओं को निशुल्क चिकित्सा करते हुए दवा वितरित की गई। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ ए के मिश्रा, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक कुमार सिंह सदर सोनभद्र, पशु चिकित्सा अधिकारी सुकृत डॉ दिलीप कुमार सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी करमा डॉ आनन्द कुमार, पशु चिकित्सक एम्बुलेंस 1962 डॉ शिवशंकर, पशु धन प्रसार अधिकारी केकराही प्रदीप कुमार सिंह, द्वारा पशुओं में होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह द्वारा पशुओं के स्वास्थ्य और टीकाकरण के बारे मेंभी जानकारी दी गई। प्रशिक्षित पैरावेट, रवि कान्त सिंह, सुनील कुमार, अजय कुमार सिंह, राजेश यादव राहुल कुमार, कृष्णा सिंह, के द्वारा सहयोग किया गया। पशु पालक के रूप में विजय बहादुर, राज कुमार दीपक अमरावती, रीता देवी, आदि लोग उपस्थित रहे रहे।

थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा दुष्कर्म से सम्बन्धित प्रकरण में वांछित एक नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) व क्षेत्राधिकारी ओबरा के निकट पर्यवेक्षण में महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराध/अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना हाथीनाला पुलिस टीम द्वारा थाना हाथीनाला पर पंजीकृत मु0अ0सं0 31/2024 धारा 65(1), 64(2)(स्)(), 351(2)" ए व 3/ 4 (घ्), 5(थ्)/6 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में वांछित अभियुक्त अंगद पुत्र सुभाष पटेल निवासी बीड़र थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया। **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण**-01. अंगद पुत्र सुभाष पटेल उम्र करीब 21 वर्ष निवासी बीड़र थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। **गिरफ्तारी करने वाली टीम**- 1.प्र0नि0 भैया एस0पी0 सिंह थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र।2.उ0नि0 रामबचन सिंह यादव थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र। 3.हे0का0 तेरसू यादव थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0 एन0 सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर-दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें, जिससे शिकायतकर्ता को इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें, इसका विशेष ध्यान दें।

315 बोर देशी कट्टा व एक अदद जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा अथक प्रयास से एक तमंचा 315 बोर एक अदद जिंदा कारतूस के बरामदगी सहित 10 वारण्टियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियो पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे वारण्टियों व अभियुक्तों / संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध अभियान के दौरान कुल 10 अभियुक्तों / वारण्टियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के समय उ0नि0 सुनील कुमार चौकी प्रभारी चुर्क मय हमराह पुलिस बल के मुखबिर सूचना के आधार पर अभियुक्त बादाम अंसारी पुत्र सैमुद्दीन अंसारी उर्फ मजनू अंसारी नि0 चुर्क रेलवे स्टेशन थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 29 वर्ष की गिरफ्तारी जेपी पावरप्लान्ट के पोस्टआफिस के पीछे चुर्क बाजार से करके उसके कब्जे से एक अदद नाजायज देशी तमंचा 315 बोर व दाहिने जेब से एक अदद जिंदा कारतूस की बरामदगी की गयी। इस सम्बन्ध में विभिन्न धाराओं में आर्म्स एक्ट थाना रा0गंज मे पंजीकृत कर अभियुक्त को जेल भजा गया है। अभियुक्त के बारे में छानबीन व अभिलेखों से पाया गया कि अभियुक्त बादाम अंसारी के विरुद्ध चोरी, आबकारी, मादक पदार्थों सहित विभिन्न अपराधों के कुल 09 अभियोग पूर्व में पंजीकृत हैं। उक्त के अलावा कुल 09 वारण्टियों जिसमें उ0नि0 संतोष कुमार सिंह द्वारा 01, उ0नि0 राम सिंहासन शर्मा द्वारा 01, उ0नि0 संजय सिंह द्वारा 02, उ0नि0 कमल नयन दूबे द्वारा 02, उ0नि0 बृजेश दूबे द्वारा 01, उ0नि0 बृजेश कुमार पाण्डेय द्वारा 02 वारण्टियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गयी। आर्म्स एक्ट में गिरफ्तारी का स्थान व दिनांक/समय- बुधवार को समय 01.46 बजे जेपी पावर प्लान्ट के पीछे चुर्क रा0गंज जनपद सोनभद्र **गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः-** 1.बादाम अंसारी पुत्र सैमुद्दीन अंसारी उर्फ मजनू अंसारी नि0 चुर्क रेलवे स्टेशन थाना रा0गंज उम्र करीब 29 वर्ष बरामदगी - एक अदद नाजायज देशी तमंचा 315 बोर व दाहिने जेब से एक अदद जिंदा कारतूस **गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीमः**-1.उ0नि0 सुनील कुमार चौकी प्रभारी चुर्क **2. अमरजीत यादव चौकी प्रभारी चुर्क थ गिरफ्तार वारण्टियों का विवरण** 1.सूरज विश्वकर्मा पुत्र श्यामसुन्दर नि0 कम्हारी थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 32 वर्ष 2.राजेश कोल पुत्र सुरेश कोल निवासी पुसौली थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 27 वर्ष 3.कल्लू उर्फ कमलेश पुत्र रामदुलारे यादव निवासी उरमौरा थाना रा0गंज सोनभद्र उम्र करीब 28 वर्ष 4.श्याम साहनी पुत्र स्व0 भगेलू साहनी नि0 वार्ड नं0 11 अम्बेडकरनगर थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष 5.सिंकू पुत्र मुन्ना नि0 निरालानगर धोबीयान गली कस्बा थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष 6.सूरज उर्फ शेरा पुत्र गुलाब यादव निवासी ग्राम जैत थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष 7.सोनू पुत्र जगदीश नि0 बिच्छी थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 25 वर्ष 8 रामकेश यादव वगै धारा 447,352,504,506,427 भादवि थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 56 वर्ष 9.श्यामा शर्मा पुत्र रामवृक्ष शर्मा नि0 ग्राम अमौली थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र हुलिया सावला रंग, गोल चेहरा, नाक कान आँख कद औसत एकहरी मजबुत जिस्म उम्र करीब 52 वर्ष।

माहिला सशाक्तिकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। संस्था जन कल्याण ग्रामोद्योग सेवा आश्रम, सोनभद्र द्वारा अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से सचालित परियोजना ठइम्पावर हरठ किशोरी एवं महिला सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में परियोजना से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिससे समस्त कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान मुख्य प्रशिक्षक के रूप में श्री अब्दुल वाली खां उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला की शुरुआत आपसी परिचय से की गई, जिससे सभी कार्यकर्ताओं को सहज महसूस करने का अवसर मिला। इस सत्र ने कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय और समझ को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रशिक्षक श्री खां ने कार्यशाला के दौरान महिलाओं और किशोरियों के सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की और उनके सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक उत्थान के लिए कार्य करने के तरीकों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य इम्पावर हर परियोजना के तहत कार्यरत कार्यकर्ताओं को सशक्तिकरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश देना था, ताकि वे समुदाय में किशोरियों और महिलाओं की बेहतर स्थिति सुनिश्चित करने में योगदान दे सकें। कार्यशाला के समापन में सभी प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों और सुझावों को साझा किया, जिससे इस प्रकार के प्रशिक्षणों की उपयोगिता और प्रभावशीलता पर जोर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक, जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थानों पर सुनी जा रही जन शिकायतें प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में बुधवार को अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान नौ से

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। एक जनवरी 2025 को 18 साल की उम्र पूरी करने वालों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए नौ नवंबर से मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट में बैठक कर अभियान की जानकारी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि अभियान के तहत नौ 10 नवंबर के अलावा 23 व 24 नवंबर को दावा तथा आपत्तियां लेने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मझवा विधानसभा की खाली सीट के लिए उपचुनाव के कारण वहां विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम पर रोक लगा दी गई है। बाकी चार विधानसभा क्षेत्रों में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण कर छह जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

जनपद सोनभद्र में थाना ओबरा क्षेत्रान्तर्गत सरस्वती विद्या मंदिर, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओबरा मे आयोजित पुलिस की पाठशाला में क्षेत्राधिकारी ओबरा द्वारा छात्र-छात्राओं को सम्बोधित कर जागरूक किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सरस्वती विद्या मंदिर, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओबरा, जनपद सोनभद्र में पुलिस की पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसमे श्री हर्ष पाण्डेय क्षेत्राधिकारी ओबरा जनपद सोनभद्र द्वारा छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कानून के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गयी। उन्होने छात्र-छात्राओं से कानून के दायरे में रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने की जरूरत पर जोर दिया। इसी के साथ पुलिस की कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी तथा कहा कि छात्राएं मन लगाकर पढ़ाई करें। यदि उनके रास्तें में कोई शरारती तत्व गतिरोध करने का प्रयास करता है, तो उसका डटकर मुकाबला करें। छात्राएं देश में ही नहीं बल्कि विश्व में अपने दम पर परचम लहरा रही हैं। वह किसी से डरे नहीं। साथ ही किसी भी आपात स्थित में छात्र/छात्राओं को संचालित विभिन्न हेल्पलाईन नंबरों-112, 1090, 108, 181, 1076, 1098, 102 इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस पास के लोगों को साइबर अपराध के बारे में जागरूक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल हेल्पलाइन नम्बर 1930/112 पर दें जिससे समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके। कोई भी छात्र-छात्रा ऐसी पोस्ट का सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय विशेष सतर्कता बरते तथा ऐसी कुछ भी पोस्ट वायरल न करें जिससे उन्हें और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी हो इस दौरान इस आजोयन से छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ा तथा पुलिस के प्रति दृष्टिकोण भी बदला। ऐसी पाठशालाओं के आयोजन से कानून का ज्ञान होता है। मनुष्य अपराध करने से बचता है। इससे पुलिस और जनता के बीच का डर भी दूर होगा। लोग कानून को भली भांति समझ सम्मान करते हुए दायित्व निभाएंगे। जिससे हम और हमारा समाज अपराधमुक्त होगा। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ओबरा, प्रधानाचार्य, टीचर्स आदि मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

पुणे टेस्ट में नजर आएंगे ऋषभ पंत? कोच रेयान डेशकाटे ने बताया- राहुल और सरफराज में किसे मिलेगा मौका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बंगलूरू टेस्ट के दूसरे दिन चोट की वजह से बाहर होने के बाद पंत ने बतौर बल्लेबाज चौथे दिन मैदान पर वापसी की थी। वह बल्ले से टीम के लिए उपयोगी साबित हुए थे। इस दौरान स्टार खिलाड़ी ने 99 रनों की दमदार पारी खेली थी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 24 अक्तूबर से पुणे में खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम मेहमानों से पिछली हार का बदला लेने के इरादे से उतरेगी। इस बीच टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच रेयान डेशकाटे ऋषभ पंत की चोट पर बड़ा अपडेट दिया। दरअसल, बंगलूरू टेस्ट में विकेटकीपर बल्लेबाज पंत न्यूजीलैंड की पारी के दौरान चोटिल हो गए थे। घुटने पर चोट के कारण उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा था। अब कोच डेशकाटे ने पुणे टेस्ट से पहले उनकी वापसी पर बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि 27 वर्षीय स्टार खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। सभी को उनकी वापसी का इंतजार है। डेशकाटे ने कहा- हां, मुझे लगता है कि सभी लोग वास्तव में ठीक हैं। पहले टेस्ट में बहुत ज्यादा गेंदबाजी नहीं हुई थी, इसलिए सभी तेज गेंदबाज अच्छे हैं। ऋषभ काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे लगता है कि रोहित ने दूसरे दिन इस पर बात की थी। घुटने के साथ अपने मूवमेंट की अंतिम सीमा पर उन्हें थोड़ी तकलीफ हो रही थी। लेकिन उम्मीद है कि वह आगामी टेस्ट में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बता दें कि, बंगलूरू टेस्ट के दूसरे दिन चोट की वजह से

बाहर होने के बाद पंत ने बतौर बल्लेबाज चौथे दिन मैदान पर वापसी की थी। वह बल्ले से टीम के लिए उपयोगी साबित हुए थे। इस दौरान स्टार खिलाड़ी ने 99 रनों की दमदार पारी खेली थी। हालांकि, वह एक रन से शतक से चूक गए थे। मुकाबले के बाद कप्तान रोहित ने कहा, पंत जैसे खिलाड़ी के लिए हमें अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ती है क्योंकि उनकी छोटी सर्जरी भी हुई है और घुटने की एक बड़ी सर्जरी भी हुई थी। इस दौरान कोच ने सरफराज खान और केएल राहुल पर भी बात की। दरअसल, पिछले मुकाबले में शुभमन गिल के चोट की वजह से बाहर होने के बाद सरफराज खान को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी का मौका मिला था। वहीं, केएल राहुल पांचवें नंबर पर आए। अनुभवी बल्लेबाज कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए। दोनों पारियों में उनका बल्ला खामोश रहा जबकि सरफराज ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया और 150 रनों की उपयोगी पारी खेली। अब सवाल यह उठता है कि अगर पुणे टेस्ट में गिल वापसी करने में कामयाब होते हैं तो इस स्थिति में कप्तान सरफराज और केएल में से किसे मौका देंगे। इस सवाल पर डेशकाटे ने कहा- एक स्थान के लिए लड़ाई है। सरफराज ने पिछले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। मैं पिछले टेस्ट के बाद केएल राहुल के पास गया और पूछा- आपने कितनी गेंदें खेलीं और कितनी बार चूके? उन्होंने एक भी गेंद नहीं खेली और एक बार चूक गए। जब आप रन नहीं बना रहे होते हैं तो ऐसा ही होता है। मैच में उन्हें दो गेंदें मिलीं, एक लेग साइड में और एक पर वह रिएक्ट करने में सफल रहे। इसलिए केएल के बारे में निश्चित रूप से कोई चिंता नहीं है। वे अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वे मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में हैं। लेकिन हां, हमें निश्चित रूप से इस टेस्ट के लिए सात खिलाड़ियों को छह स्थानों पर रखना होगा। हम अब पिच को देखेंगे और तय करेंगे कि टीम के लिए सबसे अच्छा क्या होगा।

चोट के कारण पुणे टेस्ट से बाहर हुआ ये विस्फोटक बल्लेबाज, कोच स्टीड ने दिया दिग्गज की हेल्थ पर अपडेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट में जीत का लक्ष्य लेकर उतरेगी। पहले मुकाबले में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। बंगलूरू टेस्ट में न्यूजीलैंड ने भारत को आठ विकेट से हरा दिया। न्यजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन भारत के खिलाफ लेकिन सौ प्रतिशत फिट नहीं हैं। उम्मीद है कि वह तीसरे टेस्ट में उपलब्ध होंगे। हम उन्हें पूरी तरह फिट होने का समय देंगे। तीसरा टेस्ट मुंबई में एक नवंबर से होगा। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट में जीत का लक्ष्य लेकर उतरेगी। पहले मुकाबले में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

24 अक्तूबर से पुणे में खेले जाने वाले टेस्ट मुकाबले में भी उपलब्ध नहीं रहेंगे। फिलहाल वह फिटनेस की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बता दें कि, दिग्गज खिलाड़ी को श्रीलंका के खिलाफ पिछली सीरीज के दौरान जांघ की मांसपेशियों में चोट लगी थी। इसी कारण से वह पहले मुकाबले का भी हिस्सा नहीं बन पाए थे।टीम के हेड कोच गैरी स्टेड ने कहा कि, उनकी फिटनेस में सुधार है लेकिन अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं। हम उनकी स्थिति पर नजर रखे हैं और उसमें आशा के अनुरूप सुधार भी हुआ है बंगलूरू टेस्ट में न्यूजीलैंड ने भारत को आठ विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 46 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड की पहली पारी 402 रन पर समाप्त हुई थी। इस तरह कीवी टीम को 356 रन की बढ़त हासिल थी। दूसरी पारी में भारतीय टीम ने 462 रन बनाए और 106 रन की बढ़त हासिल की। जवाब में न्यूजीलैंड ने 107 रन के लक्ष्य को 27.4 ओवर में दो विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों की हरकतों से परेशान गिलेस्पी ने उठाया सफाई का जिम्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जेसन गिलेस्पी को अप्रैल 2024 में पाकिस्तान की टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनका पहला असाइनमेंट बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज ही थी, जिसमें टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में पारी और 47 रनों से हार मिली थी। दरअसल, पाकिस्तानी खिलाड़ी अभ्यास सत्र के दौरान खाली बोतलें और कचरा मैदान पर छोड़ गए। इन हरकतों से परेशान गिलेस्पी ने खुद सफाई का जिम्मा उठाया और मैदान के चारों तरफ फैली गंदगी को उठाने लगे। इसका वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स पाकिस्तानी खिलाड़ियों की जमकर आलोचना कर रहे हैं। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 24 अक्तूबर से रावलपिंडी में खेला जाएगा। यह सीरीज 1-1 की बराबरी पर पहुंच चुकी है। पाकिस्तान की टीम आगामी मैच के लिए मैदान पर जमकर पसीना बहा रही है। हालांकि, इस दौरान खिलाड़ियों ने एक ऐसी हरकत कर दी जिसपर कोच जेसन गिलेस्पी अपना आपा खो बैठे। वीडियो में देखा जा सकता है कोच गिलेस्पी एक-एक करके बोतलें उठाते दिख रहे हैं। इसके बाद उन्हें वह कूड़ेदान में डालते हैं। पाकिस्तानी खिलाड़ियों कीइस हरकत पर यूजर्स अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ का मानना है कि यह बहुत

ही खराब हरकत है। वहीं, कुछ का कहना है कि शायद इससे खिलाड़ियों को समझ आ जाए। जेसन गिलेस्पी को अप्रैल 2024 में पाकिस्तान की टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनका पहला असाइनमेंट बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज ही थी, जिसमें टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, पाकिस्तान की टीम का इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में पारी और 47 रनों से हार मिली थी। दूसरे मैच के लिए पीसीबी ने कुछ सख्त फैसले लिए और बाबर, शाहीन और नसीम जैसे स्टार खिलाड़ियों को बाहर कर दिया। इसके बाद टीम ने दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी। अब टीम की नजर तीसरे मैच पर है।

ज्यादा वजन अनुशासनहीनता', इन वजहों से रणजी ट्रॉफी में मुंबई की टीम से बाहर किए गए पृथ्वी शॉ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पृथ्वी शॉ के क्रिकेटिंग करियर को एक और झटका लगा है। इस सलामी बल्लेबाज को मुंबई की रणजी ट्रॉफी टीम से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, टीम से कम एक रणजी ट्रॉफी मैच के लिए शॉ को बाहर रखने का फैसला किया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबक, शॉ की अनुशासनहीनता महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गई है। चयनकर्ता और टीम प्रबंधन शॉ को रणजी ट्रॉफी टीम से बाहर करके सबक सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। पृथ्वी शॉ पर नेट सेशन में देर से रिपोर्ट करने का भी आरोप है। इससे भी टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ रही हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पृथ्वी नेट सेशन को गंभीरता से नहीं लेते हैं और अनियमित भी हैं। कई लोग

प्रबंधन ने उनके टीम से बाहर होने के सही कारण का खुलासा नहीं किया, लेकिन यह व्यापक रूप से बताया जा रहा है कि कोच फिटनेस और अनुशासन के प्रति उनके रवैये से खुश नहीं हैं। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) की चयन समिति, जिसमें संजय पाटिल (अध्यक्ष), रवि ठाकर, जीतेंद्र ठाकरे, किरण पोवार और विक्रांत येलिगेटी शामिल हैं, उन्होंने कम उन्हें अधिक वजन वाला भी मानते हैं, जो उस पेशे के प्रति अनुशासन की कमी को भी दर्शाता है जिसमें वह हैं। श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और यहां तक कि कप्तान अजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी क्रिकेटरों को अभ्यास सत्र में काफी निरंतरता रखने के लिए कहा जाता है। दूसरी ओर शॉ सस्ते में आउट होने के बाद भी कुछ प्रैक्टिस सेशन को मिस करते हैं।

वाशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल करने का क्या है कारण कोच ने बताई वजह, सिराज पर भी की चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुंदर जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में रणजी ट्रॉफी में तमिल नाडु के लिए खेलते हुए उन्होंने शतक जड़ा था। 269 गेंदों में युवा खिलाड़ी ने 152 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सुंदर ने 19 चौके और छह छक्के लगाए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में करारी शिकस्त के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वाशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया। उन्हें पुणे और मुंबई टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा बनाया गया। अब असिस्टेंट कोच रेयान डेशकाटे ने इसके पीछे की वजह का खुलासा किया है। डेशकाटे ने कहा- हमारी टीम में अक्षर भी है। हम चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति हो जो गेंद को न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाजों से दूर ले जा सके। हम वह विकल्प चाहते हैं। यह देखकर अच्छा लग रहा है कि रणजी ट्रॉफी में अच्छा करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिल रहा है सुंदर जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में रणजी ट्रॉफी में तमिल नाडु के लिए खेलते हुए उन्होंने शतक जड़ा था। 269 गेंदों में युवा खिलाड़ी ने 152 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सुंदर ने 19 चौके और छह छक्के लगाए थे। बता दें कि, आखिरी बार उन्हें भारत के लिए मार्च 2021

में खेलते देखा गया था। 2020-21 में गाबा में भारत की ऐतिहासिक जीत में सुंदर ने अहम भूमिका निभाई थी। चार मुकाबलों में उन्होंने तीन अर्धशतकों की मदद से 265 रन बनाए थे। अब लंबे वक्त के बाद उनकी टीम में वापसी हुई है। इस दौरान डेशकाटे ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि, सिराज ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी की। हमारी आखिरी सुबह वाकई बेहतरीन थी। उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, जो जाहिर तौर पर उनकी सबसे बड़ी ताकत है, खासकर बाएं हाथ के बल्लेबाजों को निशाना बनाना। शायद यह वह जवाब नहीं है जो आप सुनना चाहते हैं, लेकिन कहने के लिए कुछ भी नहीं है। जैसे कि वह अच्छी गेंदबाजी नहीं कर रहा है या उसकी लय अच्छी नहीं है। और शायद वह थोड़े से बुरे दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन कोई चिंता नहीं है। मुझे यकीन है कि अगर उसे यहां मौका दिया जाता है, तो हमारे पास कुछ सामरिक चीजें हैं जिन पर हमें काम करना होगा, विकेट के चारों ओर आना और स्टंप को थोड़ा और चुनौती देना। लेकिन उसकी गति अच्छी है, उसकी सटीकता अच्छी है। और मुझे लगता है कि दूसरी पारी में वह शानदार था। बता दें कि, बंगलूरू टेस्ट की दूसरी पारी में सिराज कुछ खास प्रभाव नहीं दिखा पाए। एक तरफ बुमराह को दो सफलताएं हाथ लगीं, तो दूसरी तरफ युवा गेंदबाज को खाली हाथ लौटना पड़ा। इसने उनके प्रदर्शन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चार स्पिनर्स के रहते टीम में सुंदर को टीम में क्यों किया गया शामिल इस रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले टेस्ट के बाद चौंकाने वाला फैसला लेते हुए वॉशिंगटन सुंदर को न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी दो टेस्ट मैचों के

लिए टीम इंडिया में शामिल किया। भारतीय टीम में पहले से ही चार स्पिनर्स मौजूद हैं और ऐसे में पांचवें स्पिनर के जुड़ने से फैंस हैरान रह गए। बंगलूरू में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव पहले ही इस सीरीज के लिए चुने जा चुके हैं और अब सुंदर को भी जोड़ा गया है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सुंदर को भारत की बल्लेबाजी में बढ़ी चिंताओं के कारण टीम में शामिल किया गया है। शुभमन गिल गर्दन में अकड़न, ऋषभ पंत घुटने में चोट और केएल राहुल के निराशाजनक प्रदर्शन से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गौतम गंभीर की अगुआई वाले टीम प्रबंधन का अनुरोध था कि सुंदर को टीम में शामिल किया जाए और वह पुणे में दूसरा टेस्ट मैच खेल सकते हैं। 25 वर्षीय सुंदर इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश टी20 सीरीज का हिस्सा थे। उन्होंने 2021 में प्रसिद्ध बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू करने के बाद अब तक चार टेस्ट खेले हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच उसी साल अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में खेला था।

राशि फल

मेष कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

वृषभ आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

मिथुन किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

कर्क आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

सिंह आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

वृश्चिक आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

धनु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

मकर आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

कुंभ आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मीन मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

संन्यास से वापसी कर सकते हैं डेविड वॉर्नर बीजीटी से पहले आया दिग्गज का बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अब सभी की नजरें चयन समिति पर टिकी होंगी। मालूम हो कि, ऑस्ट्रेलिया को एक भरोसेमंद सलामी बल्लेबाज की तलाश है। इनमें 19 वर्षीय सैम कोंस्टास और अनुभवी मार्कस हैरिस का नाम सामने आ रहा है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आगामी सीरीज से पहले टीम में वापसी की बात कही है। बता दें कि, दिग्गज खिलाड़ी ने इसी साल जनवरी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। हालांकि, अब उनका मन बहक रहा है। वह संन्यास से वापसी की तैयारी कर रहे हैं।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर से शुरू होगी। इसे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के नाम से भी जाना जाता है। आगामी सीरीज से पहले 38 वर्षीय वॉर्नर ने कहा है कि अगर उन्हें खेलने का मौका मिलेगा तो वह जरा भी देर नहीं लगाएंगे। वॉर्नर ने कोड स्पोर्ट्स से कहा, मैं हमेशा उपलब्ध हूं, बस फोन आने की देरी है। मैं

हमेशा गंभीर रहता हूं। ईमानदारी से कहूं तो फरवरी में अपने आखिरी टेस्ट मैच के बाद से खिलाड़ियों ने बस एक रेड बॉल मैच (शील्ड का पहला राउंड) खेला है। इसलिए मेरी तैयारी लगभग वैसी ही है। अगर उन्हें इस सीरीज (भारत के खिलाफ) के लिए वाकई मेरी जरूरत है तो मैं अगला शील्ड गेम खेलने के लिए भी तैयार हूं। मैंने सही कारणों से संन्यास लिया था और मैं गेम फिनिश करना चाहता था। लेकिन अगर उन्हें किसी की सख्त जरूरत है तो मैं तैयार हूं। मैं इससे पीछे नहीं हटूंगा। डेविड वॉर्नर का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता और टीम प्रबंधन उस्मान ख्वाजा के लिए ओपनिंग जोड़ीदार की तलाश कर रहे हैं। अक्तूबर की शुरुआत में चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने पुष्टि की थी कि स्टीव स्मिथ ओपनिंग नहीं करेंगे और अपने नंबर चार स्थान पर लौटेंगे। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में ओपनर की जगह खाली हो गई है। वॉर्नर के संन्यास से वापसी के बयान ने ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं को कहीं न कहीं राहत भरी सांस लेने का मौका दे दिया है। अब सभी की नजरें चयन समिति पर टिकी होंगी। मालूम हो कि, ऑस्ट्रेलिया को एक भरोसेमंद सलामी बल्लेबाज की तलाश है। इनमें 19 वर्षीय सैम कोंस्टास और अनुभवी मार्कस हैरिस का नाम सामने आ रहा है।

सम्पादकीय

जी हां, लोकल ही है ग्लोबल, इसके मूल में ही भविष्य है

सिनेमा को अक्सर समाज का प्रतिबिंब कहा जाता है। फिल्म निर्माता समय-समय पर ऐसी कहानियां गढ़ने की कोशिश करते हैं, जो समाज के सूक्ष्म और व्यापक पहलुओं को दर्शाती हों। जिस तरह का सिनेमा काम करता है, वह अक्सर बड़े सामाजिक दृष्टिकोण से जुड़ता है। जैसे 1970 के दशक का 'एंग्री यंग मैन' युग, जिसमें बड़े पर्दे का नायक समाजिक बुराइयों से लड़ता था। कोविड युग और ओटीटी प्लेटफार्मों के उदय ने दर्शकों की पसंद को काफी हद तक बदल दिया है। इससे बॉक्स ऑफिस की बिक्री में गिरावट आई है। पहले की कहानियां और कथानक, जिन्हें कभी सफलता की गारंटी माना जाता था, अब उतने दर्शक नहीं खींच पा रहे हैं। यहां तक कि तथाकथित 'स्टार्स' के सिनेमा भी अब कड़ी परीक्षा के दायरे में आ गए हैं। अब न तो प्रसिद्धि और न ही स्टारडम, सिनेमाघरों में दर्शकों को खींचने में सक्षम हो रहे हैं। आखिर, इसकी वजह क्या है? सिनेमा को अक्सर समाज का प्रतिबिंब कहा जाता है। फिल्म निर्माता समय-समय पर ऐसी कहानियां गढ़ने की कोशिश करते हैं, जो समाज के सूक्ष्म और व्यापक पहलुओं को दर्शाती हों। जिस तरह का सिनेमा काम करता है, वह अक्सर बड़े सामाजिक दृष्टिकोण से जुड़ता है। जैसे 1970 के दशक का 'एंग्री यंग मैन' युग, जिसमें बड़े पर्दे का नायक समाजिक बुराइयों से लड़ता था। यह उस समय की समाज की आकांक्षाओं को दर्शाता था, जो अत्यधिक गरीबी और राष्ट्रीय आपातकाल जैसी घटनाओं से प्रभावित थी।बाद के दशकों में भी इसी तरह के सिनेमा को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। लेकिन वर्तमान में सफल सिनेमा के रुझान क्या हैं? कोविड के बाद सफल सिनेमा का पैटर्न कैसे बदला है? हम, एक समाज के रूप में, अभी भी कोविड के बाद अपनी जिंदगी को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी सिनेमा पसंद भी बदल रही है। कोविड के बाद के युग में भारतीय सिनेमा उद्योग का परिदृश्य, जो विभिन्न भाषाओं और राज्यों में फैला हुआ है, एक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 'स्टीरियोटाइप्ड कहानियों पर बना सिनेमा बॉक्स ऑफिस पर विफल हो रहा हैं। यह एक गंभीर चर्चा का विषय है। यह चर्चा हमसे दो प्रमुख सवालों के जवाब मांगती है। पहला, भारतीय सिनेमा में सफलता का नया रुझान क्या है? और दूसरा, सिनेमा प्रेमियों की पसंद में यह बदलाव क्या कर रहा है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर खराब परिणाम आ रहे हैं? पहला सवाल बहुत पेचीदा है और इसमें कोविड के बाद की सफलता के रुझानों का विश्लेषण करना शामिल है। कोविड के बाद के परिवर्तन ने सिनेमा निर्माताओं को फिर से सोचने और सिनेमा कैसे बनाया जाए, इसकी रणनीति को फिर से संरेखित करने के लिए मजबूर कर दिया है। नई रणनीति का एक मुख्य हिस्सा है जड़ों से जुड़ी कहानियां। सिनेमा जो प्राचीन भारत या छोटे शहरों की कहानियों, टियर 2 प्लॉट्स, ग्रामीण परिदृश्यों, लोककथाओं आदि को बताता है। हाल के वर्षों की सफलताएं इस बात की पुष्टि करती हैं कि इस फॉर्मूले ने सिनेमा निर्माताओं को बड़े पैमाने पर सफलता प्रदान की है। आइए इस प्रवृत्ति को और विस्तार से समझते हैं। पिछले तीन वर्षों में, यदि ईमानदारी से विश्लेषण किया जाए, तो हमें एहसास होता है कि अधिकांश सफल सिनेमा जिनमें प्रसिद्ध अभिनेता नहीं हैं, उनमें कुछ चीजें सामान्य होती हैं, जैसे दिलचस्प कंटेंट/अवधारणा पर आधारित फिल्म निर्माण, कंटेंट जो या तो बहुत स्थानीय, बहुत ग्रामीण या बहुत मध्यमवर्गीय होती है। इन सिनेमा का उद्देश्य बड़े पर्दे पर आम लोगों की भावनाओं को प्रस्तुत करना है। आकर्षक ग्रामीण व सामान्य अनछुए परिदृश्य कहानी कहने में योगदान देता है। यह एक खुला रहस्य रहा है कि भारतीय सिनेमा, विशेष रूप से हिंदी सिनेमा, दशकों से वास्तविक लोगों की आकांक्षाओं को पकड़ने में विफल रहा है। बल्कि, इसने अक्सर गलत चित्रण किया और देश की ग़लत तस्वीर को चित्रांकन किया। यह सब कोविड के बाद के सिनेमाई युग में धराशायी हो गया। अब बेतरतीब ढंग से रची गई कहानियां काम नहीं कर रही हैं। लोग ऐसी कंटेंट को पसंद कर रहे हैं जो सांस्कृतिक और दृश्यात्मकता दोनों रूप से अधिक जड़ों से जुड़ी हो। इस प्रवृत्ति को 'आरआरआर', 'पोन्नियिन सेल्वन', 'ब्रह्मास्त्र पार्ट वनः शिवा', 'कांतारा', 'कश्मीर फाइल्स', 'पुष्पा', '12वीं फेल', 'द केरल स्टोरी' और 'अखंडा' जैसी सिनेमाओं की सफलता में देखा जा सकता है। लेकिन क्या यह कहना सही होगा कि जड़ों से जुड़ी कहानियां सफलता का नया मंत्र हैं? अगर हम 2024 की कुछ सफल एवं समाज पर सकारात्मक छाप छोड़ने वाली सिनेमाओं का विश्लेषण करें, तो हमें 'कल्कि 2898-एडी', 'स्त्री-2', 'हनुमान', 'आर्टिकल 370', 'मुंज्या' और 'लापता लेडीज' जैसी फिल्में मिलती हैं। ये फिल्में या तो एक आम आदमी की कहानी कहती हैं, या छोटे शहरों की लोककथाओं पर आधारित हैं, या फिर हमारे समृद्ध इतिहास से प्रेरणा लेती हैं। लेकिन क्या हम इसमें कोई प्रवृत्ति देख सकते हैं? आइए और गहराई से जाकर इन कहानियों को समझें। साल की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'कल्कि 2898-एडी' महाभारत और विष्णु के अवतार कल्कि पर आधारित है। सिनेमाघरों में इस सिनेमा को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली, खासकर महाभारत की घटनाओं को चित्रित करने वाले दृश्यों को सबसे ज़्यादा सराहा गया।

सियासी सत्ता संतुलन की प्री-प्लानिंग और चंद्रबाबू नायडू के बयान के मायने

वर्ल्ड पापुलेशन प्रॉस्पेक्टस की रिपोर्ट के मुताबिक भारत की 65 फीसदी 35 साल के नीचे की है। लेकिन तीस साल बाद यही आबादी 65 वर्ष की होगी। यानी भारत में हर पांचवा शख्स बुजुर्ग होगा। यह आबादी करीब 35 करोड़ होगी। यह वो आबादी होगी, जो सेवानिवृत्त अथवा कम कार्यक्षम लोगों की होगी। देश के दक्षिणी राज्यों से आबादी बढ़ाने की जो आवाजें उठी हैं, क्या वो 'जनसंख्या जिहाद' का पलटवार है या भविष्य में राजनीतिक सत्ता सूत्र अपने हाथों में रखने की प्री प्लानिंग है अथवा देश में क्षेत्रवार

आबादी के असंतुलन से होने वाले व्यापक राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों के मद्देजर ऐहतियाती उपाय अभी करने का आग्रह है, इसे हमे गहराई से समझना होगा। दक्षिणी राज्यों के दो मुख्यमंत्रियों ने हाल में अपने प्रदेश के लोगों से आबादी बढ़ाने की जो अपील की है, वो भारत में 'जनसंख्या विस्फोट' को रोकने के लिए अब तक चली आ रही 'परिवार नियोजन' थ्योरी के ठीक विपरीत है। तो क्या इन नेताओं को बेतहाशा बढ़ती आबादी से जुड़े खतरों का भान नहीं है या फिर वो सीमित परिवारों के आग्रह में छिपे आसन्न खतरों को भांप कर ऐसा कह रहे हैं?आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हाल में कहा कि अब उनकी सरकार पुराने कानून में बुनियादी बदलाव कर उन्हीं लोगों को चुनाव लड़ने की अनुमति देगी, जिनके 2 से ज्यादा बच्चे हों। अभी तक दो से ज्यादा बच्चों वाले माता-पिता स्थानीय निकाय चुनाव नहीं लड़ सकते थे। नायडू ने इस के पक्ष में दलील दी कि वृद्धावस्था की समस्या के संकेत दक्षिण भारत, खासतौर से आंध्र प्रदेश में दिखने लगे हैं। जापान, चीन और कुछ यूरोपीय देश पहले ही इस समस्या का सामना कर रहे हैं, जहां बुजुर्गों की संख्या अधिक है। दक्षिण भारत में यह समस्या और गंभीर है क्योंकि युवा रोजगार की तलाश में बाहर चले जाते हैं। परिणामस्वरूप कई गांवों में तो अब बुजुर्ग ही रह गए हैं। नायडू ने यह भी कहा कि दक्षिणी राज्यों में प्रजनन दर 1.6 तक गिर चुकी है, जो राष्ट्रीय औसत 2.1 से काफी कम है। अगर यह और घटती है, तो 2047 तक बुजुर्गों की संख्या अधिक होगी, जो कि वांछनीय नहीं है। चंद्रबाबू के बयान के दूसरे ही दिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने भी लगभग उसी बात को दोहराया। हालांकि उनका उद्देश्य स्पष्ट रूप से राजनीतिक था। हिंदू धार्मिक मामलों के विभाग के तत्वावधान में आयोजित एक सामूहिक विवाह समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा- संसदीय परिसीमन प्रक्रिया से दंपतियों को अधिक बच्चे पैदा करने और छोटा परिवार का विचार छोड़ने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि अतीत में, बुजुर्ग नवविवाहित जोड़ों को 16 बच्चों का नहीं बल्कि 16 तरह की संपत्ति अर्जित करने और खुशहाल जीवन जीने का आशीर्वाद देते थे। अब उन्हें सचमुच 16 बच्चे पैदा करने चाहिए, न कि एक छोटा और खुशहाल परिवार रखना चाहिए।''वैसे नायडू के कथन में सच्चाई है कि बेशक आज भारत सबसे ज्यादा युवाओं का देश है। वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्टस की रिपोर्ट के मुताबिक भारत की 65 फीसदी 35 साल के नीचे की है। लेकिन तीस साल बाद यही आबादी 65 वर्ष की होगी। यानी भारत में हर पांचवा शख्स बुजुर्ग होगा। यह आबादी करीब 35 करोड़ होगी। यह वो आबादी होगी, जो सेवानिवृत्त अथवा कम कार्यक्षम लोगों की होगी। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जहां आबादी का अर्थ जनशक्ति से ज्यादा 'वोट' हो चुका है, वहां जनसांख्यिकीय संतुलन का अर्थ राजनीतिक सत्ता को कायम रखना अथवा बदलने की ताकत से है। जब से देश में धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति हावी हुई है, तब से यह जनसंख्या संतुलन के प्रति यह नजरिया और उग्र हुआ है। यह भावना तेजी से गहरा रही है कि किसी विशेष धर्म, जाति अथवा समुदाय की संख्या से ही सियासी शक्ति से अर्जित किया जा सकता है और उस पर पकड़ बनाई रखी जा सकती है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के विधायक महबूब अली ने खुले तौर पर घोषणा कर दी कि राज्य में मुसलमानों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। हम यूपी पर राज करेंगे। इसमे सच्चाई कितनी है, यह अलग बात है। लेकिन भावनात्मक स्तर पर यह भी एक तरह का 'जनसंख्या जिहाद' ही है। प्रकारांतर से आबादी को बढ़ाना सत्ता में रहने का रामबाण नुस्खा है। याद करें, उस नारे को जिसमें यह आह्वान किया गया है ' जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' इसका सीधा अर्थ यही है कि न केवल सत्ता बल्कि सामाजिक और आर्थिक संसाधनों पर नियंत्रण और वर्चस्व के लिए जरूरी है कि आपकी संख्या अन्य से ज्यादा हो। वरना आप की स्थिति दोयम दर्जे की हो सकती है। संभव है कि आप कहीं भी निर्णायक स्थिति में रहें। ये डर केवल काल्पनिक है, ऐसा भी नहीं है। देश में जहां जहां धार्मिक आधार पर जनसांख्यिकी बदली है, वहां अलगाववाद और विभाजन की दरारें गहराने लगी हैं। और यह केवल भारत में ही नहीं हो रहा है, लोकतंत्र और व्यक्ति और अभिव्यक्त स्वातंत्र्य के घोर समर्थक यूरोपीय देशों में भी हो रहा है। हालांकि कुछ लोग इसे केवल मिथक मानते हैं, लेकिन देश में बहुसंख्य हिंदुओं की आबादी वृद्धि दर में गिरावट को लेकर आरएसएस के पूर्व सरसंघचालक के.सी. सुदर्शन ने 2000 में ही इस मुद्दे को उठाया था। 8 साल पहले संघ प्रमुख डॉ.मोहन भागवत ने भी कहा था कि बहुसंख्य हिंदुओं की घटती आबादी चिंता का विषय है। उन्होंने युवा दंपतियों से आग्रह किया था कि वो दो से ज्यादा बच्चे पैदा करें। लगभग यही बात हाल में निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर प्रेमानंद पुरी ने भी कही। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में उसी का राज चलता है, जिसकी जितनी ज्यादा संख्या होती है। इसी तरह और भी हिंदू साधु संत इस तरह के आह्वान करते रहते हैं। ऐसी बातों का प्रजनन योग्य युवाओं पर कितना असर होता है, यह स्वतंत्र अध्ययन का विषय है, क्योंकि नेताओं संतो के आग्रह में यह कहीं स्पष्ट नहीं होता कि ज्यादा बच्चे पैदा करने के बाद उनके समुचित पालन पोषण की जिम्मेदारी कौन लेगा? इसके लिए जरूरी संसाधन कहां से आएंगे? बच्चों की अच्छी परिवरिश में होने वाले कष्टों में हिस्सेदारी कौन और कैसे करेगा? या केवल आबादी बढ़ाने के चक्कर में वो ऐहिक जीवन दांव पर लगा दें वैसे भी जो नेता, सामाजिक संगठनों के प्रभावी पुरूष और साधु संत ऐसे आह्वान करते रहते हैं, उनका लोगो और खासकर हिंदुओं की आबादी बढ़ाने में निजी स्तर पर कोई खास योगदान नहीं है। या तो वे इसकी जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते या फिर अपने संसाधनो को बंटने नहीं देना चाहते। खुद चंद्रबाबू नायडू का एक बेटा है और स्टालिन की सिर्फ दो संतानें हैं। प्रचारक और साधु संतों के परिवार ही नहीं होते। इनमें केवल राजद नेता लालू प्रसाद को अपवाद माना जा सकता है, जिन्होंने अपनी तमाम राजनीतिक सक्रियता के बावजूद परिवार विस्तार के मोर्चे को कमजोर नहीं होने दिया और 9 संतानों के पिता बने। हालांकि लालू ने कभी दूसरों को ऐसा करने की सार्वजनिक सलाह नहीं दी।एक समय था, जब देश की आबादी आज से भी आधी थी और चौतरफा हम दो हमारे दो'का शोर था। कहा जा रहा था कि एक गरीब देश भारी आबादी के बोझ को सह नहीं सकता। लेकिन हमने इतनी तरक्की तो कर ली है कि देश आज 145 करोड़ की आबादी को भी खिला रहा है। तो फिर और आबादी बढ़ाने की बात क्यो की जा रही है? इसके कई पहलू हैं।पहला तो राजनीतिक है। 2026 में देश में लोकसभा और विधानसभा सीटों का आबादी के अनुसार नए सिरे से परिसीमन होना है। इसका क्या फॉर्मूला होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अगर आबादी को ही आधार माना गया तो लोकसभा की वर्तमान सीटें 543 से बढ़कर 888 होने वाली हैं। इनमें सर्वाधिक सीटे सबसे ज्यादा आबादी वाले यूपी में बढ़ेंगी, जो वर्तमान की 80 से बढ़कर 147 हो जाएंगी। इसके बाद महाराष्ट्र, बिहार, पं.बंगाल और मप्र का नंबर है। ये सभी उत्तर और पश्चिमी भारत के राज्य हैं। ऐसे कुल 18 राज्यों में वर्तमान में लोस की फिलहाल 382 सीटें हैं, जो परिसीमन के बाद 688 हो सकती हैं, जबकि दक्षिण के पांच राज्यों में वर्तमान में 129 सीटें हैं, जो बढ़कर 184 ही होंगी। इसी तरह पूर्वोत्तर के राज्यों की सीटों में भी मामूली बढ़ोतरी ही होगी, क्योंकि उनकी आबादी वृद्धि दर बहुत कम है। तो क्या आबादी का ज्यादा न बढ़ना, खुशहाली की गारंटी भले हो, लेकिन राजनीतिक सत्ता संतुलन में एक नकारात्मक फैक्टर है? दक्षिण के राज्यों का यह सवाल वाजिब है कि अगर उन्होंने जनसंख्या वृद्धि को काबू में रखकर आर्थिक मोर्चे पर तेजी से तरक्की की तो क्या यह उनका अपराध है, बनिस्बत उन उत्तर और राज्यों के जहां आबादी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन विकास की दौड़ में वो दक्षिणी राज्यों से अभी भी पीछे हैं। डर ये है कि नए परिसीमन के बाद कम आबादी के कारण केन्द्रीय सत्ता में दक्षिणी राज्यों की भागीदारी कम होती जाएगी, जो एक संघ राज्य के लिए ठीक नहीं होगा। राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता में न्यून भागीदारी अलगाववाद की भावना को बढ़ा सकती है और एक राष्ट्र राज्य की अवधारणा इससे खंडित हो सकती है। ये डर इसलिए भी है कि बीजेपी जैसी कोई पार्टी केवल उत्तर पश्चिमी राज्यों से ही इतनी सीटें जीत लेगी कि सत्ता हासिल करने के लिए उसे दक्षिणी राज्यों की जरूरत ही न पड़े। दूसरे, आबादी के असंतुलन का सामाजिक ,सांस्कृतिक और आर्थिक परिणाम भी होगा। न केवल विभिन्न धार्मिक समुदायों में बल्कि खुद हिंदू समाज में भी। यहां प्रश्न यह भी है कि लोग कितने बच्चे पैदा करें, या न करें, कैसे करें, इसमें सरकारों को दखल देना चाहिए या नहीं? चीन का उदाहरण सामने है। उसे जनसंख्या और लैंगिक असंतुलन के चलते अपनी 35 साल पुरानी 'एक परिवार, एक बच्चा' नीति बदलनी पड़ी और दो बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। इसके बाद भी वहां युवा दंपति बच्चे पैदा करने में ज्यादा रुचि नहीं दिखा रहे हैं तो इसके पीछे कई सामाजिक और आर्थिक कारण हैं। भारत में भी स्थिति काफी कुछ वैसी ही बनती जा रही है, क्योंकि अब बच्चा पैदा करना केवल मर्दानगी अथवा मातृत्व क्षमता का सवाल भर नहीं है, बच्चों की परवरिश कैसे करें, यह प्रश्न भी पहाड़ जैसा है।

चिकित्सा दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रजातियां और संरक्षण के साथ सामुदायिक प्रयास

सांप के काटने से होने वाला विषाक्त प्रभाव (सर्पदंश) भारत में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां हर साल हजारों लोगों की मृत्यु होती है। चार प्रमुख ज़हरीले सांप- जिन्हें ठबिग फोरठ कहा जाता है- अधिकांश विषैले काटने के लिए ज़िम्मेदार होते हैंः भारतीय कोबरा, कॉमन करैत, रसेल्स वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर। भारत की समृद्ध जैव विविधता में 300 से अधिक सांपों की प्रजातियां शामिल हैं, जिनमें से कई ज़हरीली हैं और मानव स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महाराष्ट्र, जो अपनी प्राकृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है, सांप के काटने की घटनाओं के कारण विशेष चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिससे जागरूकता और संरक्षण प्रयासों की अत्यधिक आवश्यकता है। चिकित्सा दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रजातियों के बारे में जन शिक्षा की आवश्यकता, भारतीय विज्ञान संस्थान (घ्घ्एम्) जैसे संस्थानों द्वारा जहर अनुसंधान में प्रगति, और स्थानीय सामुदायिक प्रयास इन चिंताओं का समाधान करने में आवश्यक हैं। सांप के काटने से होने वाला विषाक्त प्रभाव (सर्पदंश) भारत में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां हर

साल हजारों लोगों की मृत्यु होती है। चार प्रमुख ज़हरीले सांप- जिन्हें ठबिग फोरठ कहा जाता है- अधिकांश विषैले काटने के लिए ज़िम्मेदार होते हैंः भारतीय कोबरा, कॉमन करैत, रसेल्स वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर। भारत में विविध भूभाग के कारण, यह सभी प्रजातियां यहां पाई जाती हैं, जिससे यह देश सांप के काटने के मामलों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन गया है।हाल के शोध से पता चला है कि सांप का विष विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण रूप से भिन्न होता है। घ्घ्एम् ञ्हदस्म्ैं इन भिन्नताओं का अध्ययन करने में सबसे आगे रही है, विशेष रूप से भारतीय कोबरा पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उनका शोध विष की संरचना में क्षेत्रीय अंतर को ध्यान में रखते हुए एंटीवेनम की प्रभावशीलता में सुधार करने में मदद कर रहा है। वर्तमान में उपलब्ध पॉलीवेलेंट एंटीवेनम मुख्य रूप से 'बिग फोर' को लक्षित करता है, लेकिन यह अन्य प्रजातियों के विष के विरुद्ध अक्सर अप्रभावी होता है, या क्षेत्रीय विष के अंतर को संबोधित नहीं कर पाता, जिससे कई पीड़ितों को अधूरी या अपर्याप्त उपचार मिल पाता है।भारत में स्थानीय संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों (ुउध्) की सांपों के प्रति जागरूकता और संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका है। ये संगठन ग्रामीण समुदायों के साथ मिलकर काम करते हैं ताकि उन्हें सांप के काटने से बचाव, प्राथमिक चिकित्सा तकनीक और सांपों के पारिस्थितिक महत्व के बारे में शिक्षित किया जा सके। हर्पेटोलॉजिस्ट और सांप बचाव विशेषज्ञ कार्यशालाएँ आयोजित करते हैं जो न केवल लोगों को सुरक्षित रहने के तरीके सिखाते हैं, बल्कि सांपों से संबंधित मिथकों को भी दूर करते हैं, जिससे अनावश्यक सांप हत्या की घटनाओं में कमी आती है। इन कार्यशालाओं के माध्यम से न केवल जागरूकता बढ़ाई जाती है, बल्कि यह भी बताया जाता है कि सांप कृषि क्षेत्रों में चूहों की संख्या को नियंत्रित करके फसलों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मानव अस्तित्व और सांप संरक्षण के बीच संतुलन इन प्रयासों का एक मुख्य विषय है। प्रशिक्षित पेशेवर शहरी क्षेत्रों में सांप बचाव अभियानों का संचालन भी करते हैं, जहाँ तेज़ी से हो रहे विस्तार के कारण सांपों के साथ मुठभेड़ की घटनाएँ बढ़ रही हैं।वन विभाग गैर-सरकारी संगठनों और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर सांपों को सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करने और महत्वपूर्ण आवासों की उघ्ए तकनीक की मदद से निगरानी करने का काम करता है। यह प्रयास संघर्ष को कम करने और महत्वपूर्ण सांप प्रजातियों के संरक्षण के व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। भारत में कई सांपों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (1972) के तहत कानूनी सुरक्षा प्राप्त है। उदाहरण के लिए, ज़हरीला किंग कोबरा अनुसूची-घ् प्रजातियों में शामिल है, जिसका अर्थ है कि इसे पकड़ना, मारना या व्यापार करना कानूनन अपराध है। अपराधियों को कड़ी सजा का सामना करना पड़ता है, जिसमें जेल और जुर्माना दोनों शामिल हैं। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक मान्यताओं और जागरूकता की कमी के कारण कानूनों का प्रवर्तन कठिन हो जाता है, जिससे सांपों की आबादी खतरे में पड़ जाती है।एंटीवेनम उत्पादन सांप के काटने के प्रबंधन का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। महाराष्ट्र में हाफ़काइन संस्थान जैसे उन्नत सुविधाएँ हैं, जो 'बिग फोर' के लिए एंटीवेनम का उत्पादन करती हैं। हालांकि, विष की संरचना में क्षेत्रीय विविधता को देखते हुए, शोधकर्ता अधिक स्थानीयकृत एंटीवेनम की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। घ्घ्एम् ञ्हदस्म्ैं क्षेत्र-विशिष्ट उपचार विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा रही है, जिससे सांप के काटने के शिकार लोगों के परिणामों में सुधार हो सके। सांपों के प्रति जागरूकता और सुरक्षित हैंडलिंग पर आधारित कार्यशालाएँ, जो अक्सर ुउध् द्वारा आयोजित की जाती हैं, उन समुदायों को लक्षित करती हैं जहाँ सांप के काटने की घटनाएँ अधिक होती हैं। ये कार्यक्रम न केवल प्राथमिक चिकित्सा सिखाते हैं, बल्कि सांपों को सुरक्षित रूप से पकड़ने और छोड़ने के महत्व पर भी जोर देते हैं, जिससे मानव और सांप दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हालांकि, दूरदराज के क्षेत्रों में फील्ड सर्वेक्षण, जैसे सांपों की आबादी की निगरानी के लिए ट्रांसेक्ट वॉक करना, कठिन भूभाग, सीमित पहुंच और स्थानीय समर्थन की कमी जैसी चुनौतियाँ पेश करता है। स्थानीय स्वयंसेवकों की भागीदारी और प्रशिक्षण इन चुनौतियों को कम करने में मदद कर सकता है। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (1972) भारत में सांप संरक्षण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यह कई ज़हरीले सांपों, जैसे किंग कोबरा, को उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्रदान करता है, शिकार और अवैध व्यापार को प्रतिबंधित करता है। फिर भी, ग्रामीण क्षेत्रों में इन कानूनों को लागू करना एक चुनौती बनी हुई है, क्योंकि पारंपरिक मान्यताएँ और कानूनी ज्ञान की कमी बाधा उत्पन्न करती हैं। भारत में सांपों के प्रति जागरूकता के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, कानूनी सुरक्षा और सामुदायिक कार्रवाई का संयोजन शामिल है। घ्घ्एम् जैसे संस्थान, ुउध्, वन विभाग और स्थानीय समुदाय मिलकर सांप के काटने और संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सांपों की पारिस्थितिक भूमिका की बेहतर समझ और अधिक प्रभावी एंटीवेनम उपचार के साथ, भारत धीरे-धीरे सर्पदंश और सांप संरक्षण के खतरों पर काबू पा रहा है और इन महत्वपूर्ण प्राणियों के साथ एक सुरक्षित सह-अस्तित्व की दिशा में बढ़ रहा है।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

जीएल बजाज ने शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। मासिक धर्म के विषय पर बातचीत करना अभी भी समाज में एक वर्जित विषय माना जाता हैः डॉद नरुका देव मणि शुक्ल नॉएडा स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के रोट्रैक्ट क्लब ने सेक्टर 80, नोएडा में एक सामुदायिक सेवा परियोजना का आयोजन किया, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर जागरूकता फैलाने के महत्वपूर्ण प्रयास किए गए। इस परियोजना में क्लब के 20 सक्रिय सदस्यों ने डॉद महावीर सिंह नरुका, प्रियंका दत्ता और क्लब की अध्यक्ष नंदिनी शर्मा के मार्गदर्शन में भाग लिया। इस परियोजना के तहत, वंचित बच्चों के बीच शिक्षा के महत्व पर एक प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों और उनके माता पिता को शिक्षा की अनिवार्यता के बारे में बताया गया। इन बच्चों को उनके शैक्षिक जीवन को मजबूत बनाने के लिए स्टेशनरी किट्स वितरित की गईं। इसके बाद, क्लब के सदस्यों ने स्थानीय महिलाओं और किशोरियों के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया। इस सत्र में मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता और स्वास्थ्य देखभाल के महत्व पर चर्चा की गई। डॉद महावीर सिंह नरुका ने कहा मासिक धर्म के विषय पर बातचीत करना अभी भी समाज में एक वर्जित विषय माना जाता है, लेकिन इस अभियान का उद्देश्य इसे सामान्य बनाना और महिलाओं को इस दौरान स्वच्छता का ध्यान रखने के लिए जागरूक करना है। इस प्रयास के अंतर्गत 400 सेनेटरी पैड्स वितरित किए गए, ताकि महिलाएं स्वच्छता को महत्व दें और अपनी गरिमा बनाए रखें। दिन के अंतिम सत्र में स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में भी इस परियोजना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोट्रैक्ट क्लब के सदस्यों ने संतुलित आहार के महत्व पर एक सत्र का आयोजन किया, जिसमें 400 से अधिक स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इस सत्र के माध्यम से लोगों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि एक संतुलित आहार न केवल शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी सहायक होता है। इस सत्र के बाद, स्थानीय लोगों के बीच पौष्टिक खाद्य पदार्थ भी वितरित किए गए। क्लब की अध्यक्ष नंदिनी शर्मा ने बताया कि रोट्रैक्ट क्लब का यह सामुदायिक सेवा प्रयास न केवल समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि समाज में शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का एक आदर्श उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। रोट्रैक्ट क्लब के सदस्यों का मानना है कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जो किसी भी व्यक्ति को अपने सपनों को साकार करने में सक्षम बनाता है, और इस दिशा में यह प्रयास बच्चों के भविष्य को एक नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगा।

विलय पर सीसीआई का निर्देश, कहा- क्रिकेट प्रसारण के लिए टीवी विज्ञापन स्लॉट एक साथ न जोड़ें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने रिलायंस-डिज्नी सौदे पर मंगलवार को 48 पृष्ठों का विस्तृत आदेश जारी किया। इस आदेश में रिलायंस इंडस्ट्रीज और वॉल्ट डिज्नी के बड़े मीडिया परिसंपत्तियों के विलय को मंजूरी दी गई है। इसमें सात टीवी चैनलों के विनिवेश सहित विभिन्न शर्तें शामिल हैं। प्रतिस्पर्द्धा आयोग (सीसीआई) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज और वॉल्ट डिज्नी की मीडिया इकाइयों के विलय को मंजूरी देने वाला विस्तृत आदेश जारी किया। सीसीआई के आदेश में कहा गया है कि मौजूदा अधिकार समाप्त होने तक कंपनियां क्रिकेट अधिकारों के लिए टीवी विज्ञापन स्लॉट एक साथ न जोड़ें। विलय के लिए सीसीआई की शर्तों के तहत हंगामा और सुपर हंगामा सहित सात टीवी चैनलों का सौदा होना है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की ओर से रिलायंस-डिज्नी सौदे पर मंगलवार को 48 पृष्ठों का विस्तृत आदेश जारी किया गया। इसमें रिलायंस

इंडस्ट्रीज और वॉल्ट डिज्नी के बड़े मीडिया परिसंपत्तियों के विलय को मंजूरी दी गई। इसमें सात टीवी चैनलों के विनिवेश सहित विभिन्न शर्तें शामिल हैं।नियामक की मंजूरी प्राप्त करने से पहले दोनों पक्षों ने स्वेच्छा से सहमति जताई की है कि वे मौजूदा क्रिकेट प्रसारण अनुबंध समाप्त होने तक आईपीएल, आईसीसी और बीसीसीआई के क्रिकेट अधिकारों के लिए टीवी विज्ञापन स्लॉट को बंडल नहीं करेंगे। इसके अलावा, दोनों पार्टियां हंगामा और सुपर हंगामा सहित सात टीवी चैनल का भी सौदा करेंगी अन्य शर्तों के अलावा, कंपनियों ने स्वेच्छा से सहमति व्यक्त की है कि वे मौजूदा अधिकारों की शेष अवधि के लिए अपने पास उपलब्ध तीनों क्रिकेट अधिकारों- आईपीएल, आईसीसी और बीसीसीआई- के लिए टीवी विज्ञापन स्लॉट की बिक्री एक साथ नहीं जोड़ेंगी 48 पृष्ठ के आदेश के अनुसार, ठदोनों पक्ष मौजूदा अधिकारों की शेष अवधि के लिए आईपीएल, आईसीसी और बीसीसीआई के पास उपलब्ध सभी तीन क्रिकेट अधिकारों के लिए ओटीटी विज्ञापन स्लॉट की बिक्री को एक साथ नहीं जोड़ेंगे। पार्टियों ने वचन दिया है कि वे आईसीसी और आईपीएल आयोजनों के लिए अपने टीवी और स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों पर विज्ञापन दरों को अनुचित स्तर तक नहीं बढ़ाएंगे, जब तक कि वर्तमान अधिकार उनके पास हैं 28 अगस्त को सीसीआई ने बताया था कि उसने रिलायंस इंडस्ट्रीज और वॉल्ट डिज्नी कंपनी की मीडिया परिसंपत्तियों के विलय को मंजूरी दे दी है, जिससे 70,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का समूह तैयार होगा इस वर्ष के प्रारंभ में घोषित इस सौदे को एंटी-ट्रस्ट विनियामक की जांच का सामना करना पड़ा था, और दोनों पक्षों की ओर से मूल लेनदेन संरचना में कुछ संशोधनों का प्रस्ताव दिए जाने के बाद इसे मंजूरी दी गई।

बॉलीवुड/टेली मसाला

अभिनय ही नहीं एक्शन के भी 'बाहुबली' हैं प्रभास, इन फिल्मों में मनवाया एक्टिंग का लोहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रभास एक कलाकार के तौर पर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में खास और अलग पहचान रखते हैं। साथ ही वह हिंदी पट्टी के दर्शकों

को भी काफी पसंद आते हैं। उनकी साउथ फिल्मों की हिंदी डब को खूब देखा जाता है। अब तो वह साउथ फिल्मों के साथ-साथ हिंदी फिल्मों में भी अभिनय करते हुए नजर आ रहे हैं। आज प्रभास का जन्मदिन (23 अक्टूबर 1979) है, इस मौके पर उनकी बेहतरीन फिल्मों पर नजर। एक्शन और साइंस फिक्शन फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में एक नामी स्टार कास्ट थी जिसमें अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन जैसे नाम शामिल थे। लेकिन इस फिल्म में जिस एक्टर को सबसे ज्यादा दर्शकों ने सराहा, वे प्रभास ही थे। फिल्म में उनका किरदार भैरव पर्दे पर बहुत ही कमाल का नजर आया। साथ ही प्रभास ने फिल्म में जो एक्शन सींस दिए, वे भी दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहे साल 2023 की बात की जाए तो प्रभास स्टारर फिल्म 'सालार' रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया था। फिल्म लगभग 270 करोड़ में बनी थी, जबकि इसने भारत में 487.75 करोड़ रूपए का बिजनेस किया, वहीं वर्ल्डवाइड लगभग 617.75 करोड़ रूपए का बिजनेस किया। यह सब इसलिए मुमकिन हुआ क्योंकि फिल्म में प्रभास का एक्शन बहुत ही उम्दा स्तर का था। दर्शक जब भी उन्हें एक्शन करते हुए देखते तो बड़े पर्दे से नजरें ही नहीं हटा पाते साल 2019 में आई प्रभास की फिल्म 'साहो' भी एक्शन फिल्म ही थी, इसने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था। फिल्म में उनका किरदार शहर के ठग और गुंडों से लड़ता है। इसी प्लॉट पर पूरी फिल्म बनी थी, इसलिए इसमें जबरदस्त एक्शन देखने को मिला था। साल 2015 में फिल्म 'बाहुबली' ने प्रभास को पूरे देश में मशहूर कर दिया था। इस फिल्म में भी जहां उनके एक्शन की तारीफ हुई, वहीं उनके एक्टिंग को भी खूब सराहा गया। फिल्म ने ओवरसीज मिलाकर बॉक्स ऑफिस पर लगभग 650 करोड़ का बिजनेस किया था। फिल्म की इस सफलता को देखते हुए साल 2017 में इसका दूसरा पार्ट भी आया। फिल्म 'बाहुबली-2' ने भी बॉक्स ऑफिस पर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। प्रभास की 'मिर्ची(2013)' एक प्रेमी कहानी पर आधारित फिल्म थी। लेकिन इस फिल्म में भी उन्हें भरपूर एक्शन करने का मौका मिला था। फिल्म में उनके साथ अनुष्का शेट्टी भी नजर आई थीं। आगे चलकर अनुष्का शेट्टी प्रभास के साथ फिल्म 'बाहुबली' में भी नजर आई थीं।

दीपिका पादुकोण-रणवीर सिंह ने खरीदी करोड़ों की कार, जानिए कितनी है इस रेंज रोवर की कीमत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के चर्चित कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण चर्चा में हैं। बेटी के जन्म के बाद दोनों ने करोड़ों की नई रेंज रोवर खरीदी है। बॉलीवुड के शानदार कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण अक्सर चर्चा में रहते हैं। बेटी के जन्म के बाद अब कपल एक बार फिर चर्चा में आ है। रणवीर ने बिल्कुल नई रेंज रोवर 4.4 एलबीडब्ल्यू खरीदी है। इस गाड़ी में कई शानदार फीचर्स भी हैं। 360 डिग्री कैमरा और 4 जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल भी इसके फीचर्स का हिस्सा है। अभिनेता रणवीर सिंह के पास पहले से भी कई लग्जरी गाड़ियां हैं। उन्हें शानदार गाड़ियों का शौक भी है। उनके पास टोयोटा फॉर्च्यूनर

गया है। रणवीर और दीपिका ने हाल ही में अपनी बेटी का स्वागत किया है। दीपिका पादुकोण ने बेटी को 8 सितंबर को मुंबई में जन्म दिया। दीपिका ने अपनी खुशियां सोशल मीडिया पर साझा की थीं। रणवीर सिंह ने हाल ही में 4.74 करोड़ की रेंज रोवर खरीदी थी।रणवीर सिंह ने पत्नी दीपिका पादुकोण ने पहली बेटी का स्वागत किया। इस तस्वीर में हरे रंग की गाड़ी को उनके घर के अंदर खड़ा किया गया है, जिस पर उनकी सिग्नेचर '6969' नंबर प्लेट लगी लेजेंडर, लैम्बोर्गिनी उरुस पर्ल कैप्सूल जैसी शानदार गाड़ियों का कलेक्शन है। बता दें दीपिका ने हाल ही में मुंबई में एक अपार्टमेंट भी खरीदा है। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण फिल्म सिंघम अगेन में नजर आने वाली हैं। दीपिका पादुकोण की जगह 'सिंघम अगेन' के ट्रेलर रिलीज के दौरान रणवीर सिंह को देखा गया था। इसमें उन्होंने अपनी पत्नी और बेटी को लेकर बात की थी। ये फिल्म सिनेमाघरों में 1 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

जीनत अमान को कैसे मिली थी सत्यम शिवम सुंदरम, पोस्ट में सुनाया दिलचस्प किस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिग्गज अदाकारा जीनत अमान ने फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' में शानदार किरदार निभाया था। इस फिल्म में उन्हें लीड रोल कैसे मिला इसके पीछे की दिलचस्प कहानी आदाकारा ने इंस्टाग्राम पर शेयर की है।

बॉलीवुड जगत की दिग्गज अदाकारा जीनत अमान ने अपने फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में की हैं। साल 1978 में उनकी फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में जीनत अमान और शशि कपूर मुख्य किरदार में नजर आए थे। फिल्म उस वक्त ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब जीनत अमान ने फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' से जुड़ा एक किस्सा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस लंबी-चौड़ी पोस्ट में जीनत अमान ने यह भी बताया है कि उन्हें यह फिल्म कैसे मिली थी जीनत अमान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' के सेट से एक पुरानी तस्वीर शेयर की है। तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'दिसंबर महीने में राज कपूर की 100वीं बर्थ एनिवर्सरी होने जा रही है। आज मैं आपको बताने वाली हूं कि फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' में मुझे रूपा के किरदार के लिए कैसे चुना गया था।' जीनत अमान ने लिखा, 'साल 1976 में मैं 'वकील बाबू' की शूटिंग कर रही थी। फिल्म में राज जी अहम किरदार निभा रहे थे। उनके छोटे भाई शशि कपूर और मैं लीड किरदार में थे। टेक के बीच में जब टेक्नीशियन सेट बदलते थे या लाइट बदलते थे उस वक्त हम कास्ट मेंबर टाइम पास कर रहे होते थे। राज जी अपनी कला को लेकर क्रांतिकारी सोच रखते थे और वो एक फिल्म को लेकर जोश से काफी भरे हुए थे। वो इस फिल्म को बनाना चाहते थे।' अपनी पोस्ट में जीनत अमान ने आगे लिखा, 'राज जी कुछ वक्त तक हमें स्टोरी आइडिया सुनाते रहे कि एक आदमी है, जो एक महिला की आवाज को सुनकर उसके प्यार में पड़ जाता है। हालांकि खुद को उसकी अपीयरेंस से नहीं जोड़ पाता है। वो बेबाकी और जोश से भरे हुए बोलते हैं लेकिन एक बार हिंट तक नहीं देते हैं कि मैं उनकी फिल्म का हिस्सा हूं। मैं पहले से स्टार थी और फिल्म में मुझे कास्ट करने की उनकी दिलचस्पी न होने को लेकर मुझे परेशानी हो रही थी। शायद मुझे पता था कि मेरी मिनी स्कर्ट और बूट्स वाली छवि इसकी एक वजह थी। इसलिए मैंने सोचा कि खुद ही राज कूपर को इसके लिए मनाना शुरू करूं।'अदाकारा ने आगे लिखा, 'मैं पहले से जानती थी कि राज जी अपना अधिकतर समय आरके स्टूडियो स्टूडियो के ग्राउंड में बिताया करते थे। यह भी सुनने में आया था कि वो मीटिंग और छोटे इवेंट भी यहीं रखते थे। इसलिए मैंने एक कदम उठाया। एक दिन शूटिंग जल्द खत्म कर मैंने 30 मिनट निकाले और उस वक्त को अपने ड्रेसिंग रूम में लगाया। मैंने खुद को रूपा की तरह तैयार किया।' जीनत अमान ने आगे लिखा, 'मैंने घाघरा चोली पहनी, अपने बालों को गूंथकर परांदा लगाते हुए चोटी बनाई। इसके बाद गोंद से टिशू पेपर को अपने चेहरे पर चिपकाते हुए निशान बनाने की कोशिश की।' एक्ट्रेस ने आगे लिखा, 'जब मैं द कॉटेज पहुंची तो राज जी के राइट हैंड मैन जॉन ने मेरा स्वागत किया। उसने एक बार को मेरी तरफ अचंभे से देखा। फिर मेरी प्रार्थना को माना कि साहब जी से कहो कि रूपा आई है। आगे की कहानी कल बताऊंगी।' जीनत अमान की इस पोस्ट को पढ़ने के बाद उनके फैंस भी आगे की कहानी जानने के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं।

जिगरा' को 'सावी' की कॉपी बताने पर वासन बाला ने तोड़ी चुप्पी बोले- खुद देखें और मन बनाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' लगातार विवादों में घिरी हुई है। फिल्म पर दिव्या खोसला कुमार की फिल्म 'सावी' को कॉपी करने का आरोप है। अब इस विवाद पर 'जिगरा' के निर्देशक वासन बाला ने चुप्पी तोड़ी है। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और वेदांत रैना की फिल्म 'जिगरा' 11 अक्तूबर को सिनेमाघर में रिलीज हुई थी। फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कुछ खास नहीं रहा लेकिन आलिया की यह फिल्म विवादों में लगातार घिरी हुई है। कुछ वक्त पहले एक्ट्रेस दिव्या खोसला कुमार ने 'जिगरा' के निर्माताओं पर फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में हेराफेरी करने और उनकी फिल्म 'सावी' को कॉपी करने का आरोप लगाया था। एक्ट्रेस के आरोपों पर अब 'जिगरा' के निर्देशक वासन बाला ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उनका कहना है कि दोनों फिल्मों को देखने के बाद ही कोई फैसला लेना ठीक होगा। एक मीडिया बातचीत में निर्देशक वासन बाला ने विवादों में घिरी अपनी फिल्म 'जिगरा' पर बात की। उन्होंने कहा, 'दोनों ही फिल्में अब रिलीज हो गई हैं और सार्वजनिक डोमेन में पहुंच गई हैं। कृपया आप फिल्मों को देखें और अपना मन बनाएं। बोलने की आजादी है, इसलिए सभी

को बोलने का पूरा अधिकार है कि उन्हें क्या कहना है। दोनों फिल्मों को देखने से किसी को रोका नहीं जा सकता है। जाहिर है कि आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' का बॉक्स ऑफिस पर काफी खराब प्रदर्शन रहा है। इसका पूरा दोष खुद पर लेते हुए वासन बाला ने कहा, 'बॉक्स ऑफिस ने हमें गिराया है। एक निर्देशक के नाते अगर क्रिएटिविटी के हर विभाग को लेकर मुझ पर 100 फीसदी भरोसा है तो फिर बॉक्स ऑफिस पर भरोसा करना ही होगा। हालांकि यह स्पष्ट रूप से मेरे मोर्चे पर निराशा की तरह है।' फिल्म 'जिगरा' पर 'सावी' की कॉपी का आरोप लगने पर वासन बाला ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'जिस वक्त मैं जिगरा की कहानी लिख रहा था, तब सावी बाहर आई थी।' जाहिर है कि फिल्म जिगरा पर सिर्फ साहित्यिक चोरी का आरोप नहीं लगा है बल्कि फिल्म की कास्टिंग टीम को मणिपुर के अभिनेता बिजौ थांगजाम ने गैर-पेशेवर व्यवहार बताते हुए फटकार लगाई थी। साथ ही पूर्वोत्तर भारत के अभिनेताओं के प्रति भेदभाव के लिए फिल्म की आलोचना की गई थी। गौरतलब है कि दिव्या खोसला कुमार की फिल्म 'सावी' इस साल 31 मई को रिलीज हुई थी, जिसमें हर्षवर्धन राणे और अनिल कपूर भी अहम किरदार में हैं। फिल्म की कहानी एक महिला पर आधारित है, जो इंग्लैंड की जेल में बंद अपने पति को छुड़वाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। वहीं आलिया भट्ट की जिगरा की बात करें तो इस फिल्म में आलिया सत्या के किरदार में हैं, जिसका भाई अंकुर ड्रग केस के चलते विदेशी जेल में बंद है। उसे छुड़ाने के लिए सत्या किस अंजाम तक जा सकती है, यह फिल्म में बखूबी दिखाया गया है।

मार्वल स्टूडियो की 'ब्लेड' साल 2025 में नहीं होगी रिलीज, फिल्म देखने के लिए करना पड़ेगा इंतजार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मार्वल स्टूडियो की फिल्म 'ब्लेड' की रिलीज को मेकर्स ने कुछ समय के लिए टाल दिया की मेकिंग और रिलीज में वैश्विक महामारी कोरोना के कारण देरी हुई। फिल्म को लेकर इंडस्ट्री में भी भारी उथल-पुथल का सामना करना मूवी बनाना महत्वपूर्ण है। स्टूडियो तब तक मूवी नहीं बनाएगा जब तक कि उन्हें एक बेहतरीन स्क्रिप्ट न मिल जाए।'ब्लेड' फिल्म आर-

है। इस फिल्म को 7 नवंबर 2025 के रिलीज के लिए प्रस्तावित किया गया था, जिसे अब शेड्यूल से हटा दिया गया है। मार्वल स्टूडियो की फिल्म 'ब्लेड' 7 नवंबर 2025 को रिलीज नहीं होगी। इस फिल्म को शेड्यूल से हटा दिया गया है। वहीं, इसकी जगह डिजनी ने फिल्म 'प्रिडेटरः बैडलैंड्स' की तारीख तय कर दी है। फिल्म की रिलीज को शेड्यूल से हटाए जाने का कारण फिलहाल सामने नहीं आया है।मार्वल स्टूडियो की फिल्म 'ब्लेड' को पहली बार साल 2019 में बनाए जाने की घोषणा की गई। फिल्म पड़ा। अब मार्वल स्टूडियो ने फिल्म की रिलीज डेट शेड्यूल को हटा दिया है। फिल्म 7 नवंबर 2025 को रिलीज नहीं होगी। खबरों की मानें तो फिल्म को बनाने के लिए जो निर्देश शामिल थे, इनमें से बासम तारिक ने साल 2022 में फिल्म से किनारा किया। इसके बाद यान डेमंगे ने भी फिल्म से किनारा किया। "24 मूवी मैक्सिम के वर्ल्ड प्रीमियर पर नताली साइटक ने कहा, वास्तव में हमें फिल्म की चिंता है। हम चाहते हैं कि एक अच्छी फिल्म बने। मार्वल के अध्यक्ष केविन फीगे ने कहा कि अब तक की सबसे बेहतरीन ब्लेड रेटेड सुपरहीरो की फिल्म है। इस फिल्म को पहली बार साल 1998 में लॉन्च किया गया। इन फिल्मों को प्रशंसक बहुत पसंद करते हैं। इस फिल्म के पिछले दो पार्ट की बात करें तो साल 2002 की 'ब्लेड छ्' और 2004 की 'ब्लेडः ट्रिनिटी' को प्रशंसकों का प्यार मिला है। इन फिल्म ने 418.1 मिलियन डॉलर की कमाई की थी। बता दें कि मार्वल स्टूडियो की ओर से 18 फरवरी, 2028, 5 मई 2028 और 10 नवंबर 2028 को बिना शीर्षक के फिल्म रिलीज की बात की गई है।

केजीएफ 3' में 'रॉकी भाई' की भूमिका में नजर आएंगे यश! फिल्म को लेकर साझा किया बड़ा अपडेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दक्षिण भारतीय अभिनेता यश ने 'केजीएफ 3' को लेकर अपडेट साझा की है। में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, 'मैं वादा करता हूं, हम इसके बारे में बात करते रहेंगे। हमारे पास एक आईडिया है। इसलिए इसे वास्तव

अभिनेता ने कहा कि प्रशंसकों और दर्शकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए फिल्म को बेहतर बनाने की कोशिश है। दक्षिण भारतीय अभिनेता यश को प्रशांत नील द्वारा निर्देशित एक्शन हिट फिल्म 'केजीएफ' में अपने प्रदर्शन के लिए बहुत प्यार और सराहना मिली। प्रशंसक इस फ्रेंचाइजी के बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'केजीएफ 3' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक हालिया साक्षात्कार में, यश ने साझा किया कि 'केजीएफ 3' निश्चित रूप से बनेगी, जिसमें वह 'रॉकी भाई' की भूमिका में नजर आएंगे।हाल ही में एक बातचीत में, यश ने पुष्टि की कि वह तीसरे भाग को बनाने के लिए प्रशांत के साथ चर्चा कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने खुलासा किया कि वह वर्तमान में गीतू मोहनदास की 'टॉक्सिक' की शूटिंग में हमारे फोकस की आवश्यकता है।' रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने यह भी कहा निर्माता यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि फिल्म प्रशंसकों और दर्शकों की अपेक्षाओं को पूरा करे, क्योंकि चरित्र और फिल्म दोनों को बहुत प्यार मिला है। इस बार हम कुछ बड़ा लेकर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में एक चैट में, यश ने पुष्टि की कि वह रणबीर कपूर अभिनीत 'रामायण' में रावण की भूमिका निभाने को लेकर इच्छा जाहिर की है। हालांकि, इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। 'केजीएफः चैप्टर 2' हिंदी क्षेत्र सहित भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। फिल्म में अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी भी मुख्य भूमिका में थीं।

ये हसीनाएं रह चुकी हैं सलमान खान की जान, शामिल हैं पांच अभिनेत्रियों के नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सलमान खान ने भले ही अब तक शादी ना की हो, लेकिन

उनके अफेयर के चर्चे कई अभिनेत्रियों के साथ रह चुके हैं। अभिनेता का नाम कई हसीनाओं के साथ जुड़ चुका है। हाल ही में उनकी पूर्व-प्रेमिका सोमी अली उनके बचाव में उतरीं। दरअसल, लॉरेंस बिश्नोई गैंग द्वारा सलमान खान को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद वह सामने आईं। आइए जानते हैं सलमान खान का नाम किन अभिनेत्रियों के साथ जुड़ चुका है 80 के दशक के अंत में सलमान खान और संगीता बिजलानी का नाम जुड़ चुका है। दोनों के प्यार के चर्चे चारों तरफ थे। हालांकि, कुछ समय बाद दोनों के बीच दूरियां आ गईं। अंत में सलमान और संगीता एक-दूसरे से अलग हो गए, लेकिन आज भी वह एक अच्छे दोस्त हैं और दोनों एक-दूजे का सम्मान करते हैं। सलमान खान ने प्यार में सरहदें भी पार कर दी। उनके प्यार के चर्चे पाकिस्तानी अभिनेत्री सोमी अली के साथ भी खूब उड़े। 90 के दशक में दोनों का प्यार परवान चढ़ा। हालांकि, कुछ दिनों बाद दोनों ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए ऐश्वर्या राय और सलमान खान के प्यार के चर्चे तो बच्चे-बच्चे की जुबान पर है। शायद ही कोई ऐसा हो जो उन दोनों के बारे में ना जानता हो। सलमान खान और ऐश्वर्या की नजदीकियों को सबसे गहरा माना जाता है।

लिंडा ऑब्स्ट ने 74 साल की उम्र में ली अंतिम सास, इंटरस्टेलर जैसी फिल्मों का किया निर्माण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हॉलीवुड की प्रसिद्ध निर्माता लिंडा ऑब्स्ट का निधन हो गया। लिंडा ने अपने करियर में कई प्रसिद्ध फिल्मों का निर्माण किया, जिनमें स्लीपलेस इन सिएटल, फिशर किंग और इंटरस्टेलर जैसी फिल्में शामिल हैं। उनका निधन फिल्म उद्योग के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वे न केवल एक सफल निर्माता थीं, बल्कि एक प्रेरक नेता भी थीं। हॉलीवुड की सबसे सफल महिला निर्माताओं में से एक लिंडा ऑब्स्ट का मंगलवार को लॉस एंजिल्स में निधन हो गया, उनके भाई, ईंपार्टनर रिक रोसेन ने यह जानकारी साझा की है। लिंडा 74 वर्ष की थीं। न्यूयॉर्क में पली बढ़ीं लिंडा ने अपना करियर द रोलिंग स्टोन हिस्ट्री ऑफ द सिक्सटीज

के लेखक के रूप में शुरू किया। बाद में वह न्यूयॉर्क टाइम्स मैगजीन में संपादक बनीं। हॉलीवुड में उन्हें पहला मौका पीटर गुबर ने दिया था। लिंडा ऑब्स्ट का निधन 22 अक्तूबर को लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में हुआ। दरअसल, लिंडा क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज या सीओपीडी से पीड़ित थीं। निर्माता की हिट फिल्मों की लिस्ट में कई बेहतरीन फिल्में शुमार हैं। फ्लैशडांस, द फिशर किंग, वन फाइन डे, कॉन्टैक्ट, होप फ्लोट्स, इंटरस्टेलर और हाउ टू लूज ए गाई इन 10 डेज जैसी कई शानदार फिल्मों के बेहतरीन निर्माण के लिए प्रसिद्ध थीं। उन्होंने स्लीपलेस इन सिएटल, टीवीलैंड की हॉट इन क्लीवलैंड का कार्यकारी निर्माता भी रहीं और सोनी पिक्चर्स टेलीविजन के साथ उनका एक सौदा भी था। उनकी फिल्मों ने ना केवल व्यावसायिक सफलता हासिल की, बल्कि उन्होंने समाज में महत्वपूर्ण मुद्दों को भी उजागर किया। लिंडा ओब्स्ट ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक में की थी, जब उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में काम करना शुरू किया। उन्होंने जल्द ही हॉलीवुड फिल्मों की ओर अपना रुख किया और कई हिट फिल्मों का निर्माण किया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।